राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 07 जून 2023 वर्ष-6,अंक-133 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज नोएडा में कार्यकर्ताओं संग होगी नड्डा की टिफिन बैठक

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार को अपना टिफिन लेकर नोएडा के सेक्टर-51 स्थित एलपीएस स्कूल में आएंगे।

नोएडा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार को अपना टिफिन लेकर नोएडा के सेक्टर-51 स्थित एलपीएस स्कूल में आएंगे। यहां वह पार्टी के पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, मौजूदा पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद सहभोज का आयोजन किया जाएगा। इसमें दो सौ से अधिक पार्टी कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी शामिल रहेंगे। भाजपा के पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया ने बताया कि इस टिफिन बैठक का उद्देश्य पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ता जिन पर पूर्व में संगठन की या अन्य कोई ना कोई जिम्मेदारी रही है, उन्हें सभी को बुलाकर बैठक में शामिल कर सम्मान देना तथा उनके अनुभव का लाभ लेना है। इसके माध्यम से पुराने इन लोगों को फिर से सक्रिय किया जाएगा। बैठक में क्षेत्र में रहने वाले पूर्व सांसद, विधायक, मंत्री से लेकर मंडल स्तर तक के पदाधिकारी शामिल रहेंगे। महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि इस टिफिन बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष तथा जिले के सभी जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी शामिल रहेंगे। बैठक में 185 पदाधिकारियों को

महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि इस टिफिन बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष तथा जिले के सभी जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी शामिल रहेंगे।

आमंत्रित किया गया है। बैठक के बाद सभी लोग अपने घरों से लाए टिफिन खोलकर एक साथ भोजन करेंगे।

पहले आगरा में होनी थी बैठक

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की टिफिन बैठक पहले तीन जून को आगरा में होनी थी, लेकिन बालासोर में हुए ट्रेन हादसे की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया था। अब टिफिन बैठक नोएडा में होने जा रही है।

नाराज कार्यकर्ताओं को मना रही भाजपा

टिफिन बैठक कई मायने में खास है। भाजपा जहां पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मान देते हुए उनके अनुभव का चुनाव में लाभ लेने का प्रयास कर रही है और साथ ही पार्टी के लिए सक्रिय भूमिका निभाने को प्रेरित किया जाएगा।

दिल है कि मानता नहीं; अपनों के जिंदा होने की उम्मीद में लोग और पहचान के इंतजार में 100 शव

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल ट्रेन हादसे के तीन दिन से ज्यादा का वक्त हो चुका लेकिन, इतने वक्त बाद भी इस भयावह हादसे के जख्म हरे हैं। राहत-बचाव कार्य भले ही पूरा हो गया हो, पटरियां दुरुस्त हो गई हों लेकिन, अभी भी इसके निशान बाकी हैं। अपनों को खो चुकी वो आंखे अभी भी इस उम्मीद हैं कि शायद कोई चमत्कार हो जाए और उनका अपना सामने आ खड़ा हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 275 में से तकरीबन 100 शवों की शिनाख्त अभी बाकी है। लोग मुर्दाघरों से लेकर उन अस्पतालों के भी चक्कर लगा रहे हैं, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, इन शवों को एम्स भुवनेश्वर और चार अन्य निजी अस्पतालों के मुर्दाघर में रखा गया है। मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जैन ने जानकारी दी कि कई शवों की शिनाख्त हो चुकी है, बाकियों की पहचान का काम चल रहा है। उधर, कई लोग अभी भी अपने प्रियजनों को तलाश रहे हैं। कईयों को उम्मीद है कि उनके वो अपने जो उस शाम कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार थे, जिंदा बचे हैं। ये लोग मुर्दाघरों से लेकर उन अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जैन ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने 275 मौतों की पुष्टि की है। ÷रविवार दोपहर 2 बजे तक, 180 शवों को मृतकों के परिजनों को सौंप दिया गया था। हमने बालासोर में 85 और भुवनेश्वर में 95 शव सौंपे हैं। शव की शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है।% उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शवों को भुवनेश्वर के शवगृहों से उनके पैतृक स्थानों तक पहुंचाने का खर्च वहन करेगी। हमारे अधिकारी शवों की पहचान करने से लेकर उन्हें उनके घर सौंपने तक हर चीज का समन्वय कर रहे हैं। जैन ने कहा कि सरकार मृतक के परिजनों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से मृत्यु प्रमाण पत्र और स्पीड पोस्ट के माध्यम से भौतिक प्रतियां प्रदान करेगी।

पुल तो भाजपा ने गिराया है; तेज प्रताप के नीतीश और तेजस्वी यादव से अलग सुर

पटना। भागलपुर में गंगा नदी पर 1710 करोड़ की लागत से बन रहे पुल के धराशाई होने का लाइव वीडियो पूरे विश्व में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह बिहार में भ्रष्टाचार के चरम पर होने का जीता जागता सबूत है। बिहार की राजनीति भी इस पुल के ढहने से गर्म हो गई है। इस बीच लालू के लाल और नीतीश सरकार के मंत्री तेज प्रताप यादव ने अजीबोगरीब बयान देकर नई तरह की राजनीति शुरू कर दी है। उन्होंने कहा है कि भागलपुर का पुल बीजेपी ने गिराया है। भागलपुर में पुल हादसे के बाद विपक्षी दल बीजेपी सरकार पर हमलावर है। पार्टी के कई नेताओं ने नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को पुल के गिरने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, लीडर आफ अपोजिशन विजय कुमार सिन्हा के अलावा पूर्व पथ निर्माण मंत्री नितिन नबीन समेत कई नेताओं ने सरकार की लापरवाही से पुल के गिर जाने का आरोप लगाया है। कहा जा रहा है कि नीतीश सरकार ठीक से काम नहीं कर रही है जिससे बिहार की बदनामी हो रही है।

पुल गिरने पर एक्शन में नीतीश सरकार, कंस्ट्रक्शन कंपनी को ब्लैक लिस्टिंग नोटिस; इंजीनियर सस्पेंड

अब तेजस्वी यादव के भाई मंत्री तेज प्रताप यादव ने नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम दोनों के बचाव में मोर्चा खोल दिया है। बिहार सरकार में

वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने विपक्षी दल बीजेपी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहां है कि बीजेपी वाला पुल को गिराया है। हम लोग हमेशा बनाते हैं, बीजेपी वाला सब गिरा देता है। तेज प्रताप के बयान से बिहार की राजनीति पुल हादसे को लेकर गरमा गई है।

अभी और तरसाएगा मानसून, मौसम विभाग ने बताई देरी की वजह

नई दिल्ली। इस बार मानसून अब तक केरल नहीं पहुंचा है। पहले मौसम विभाग ने 4 जून को मानसून पहुंचने की भविष्यवाणी की थी। इसके बाद इसे बदलकर 7 जून कर दिया गया। अब मौसम विभाग का ही कहना है कि मानसून और भी लेट हो सकता है। मानसून के पहुंचने की कोई तारीख भी नहीं बताई गई। पहले बादलों और हवाओं की स्थिति से ऐसा लग रहा था कि 4 जून तक मानसून केरल पहुंच जाएगा लेकिन बाद में अरब सागर में बदलाव देखेने को मिला। अरब सागर में कम दबाव का क्षेत्र बनने की वजह से बादल कम हो गए। आम तौर पर 1 जून को मानसून केरल पहुंच जाता है। यह तेजी से उत्तर की ओर बढ़ता है और 15

जुलाई तक पूरे भारत को कवर कर लेता है। 16 मई को मौसम विभाग ने भविष्यावाणी की थी कि मॉडल एरर 4 दिनों के साथ 4 जून को मानसून केरल पहुंच जाएगा। कहा गया था कि अब भी वेस्टरली विंड दक्षिण अरब सागर पर बह रही हैं। हालांकि साउथईस्ट में चक्रवात जैसा बन रहा है। बीते 24 घंटे में केरल के तटों पर बादल कम हो गए हैं। मौसम विभाग का कहना है कि बादल कम दबाव वाले क्षेत्र में इकट्ठा हो गए हैं। मौसम विभाग इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है कि कब बादल उत्तर की तरफ बढ़ते हैं और केरल में मानसूनी बारिश शुरू होती है। सोमवार को ही अरब सागर में बना कम दबाव का क्षेत्र बढ़ा है। मंगलवार शाम तक मौसम विभाग मानसून के बारे में अगली अपडेट देगा। मौसम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि 8 जून तक मानसून केरल पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि सारी कंडिशन ऐसी ही बन रही हैं कि 8 जून तक मानसून केरल पहुंच जाएगा। केरल में अच्छी बारिश देखी जाएगी। यह भी गौर करने वाली बात है कि मानसून देर से पहुंचन पर बारिश पर भी फर्क पड़ता है। पहले भी कहा जा रहा था कि अल नीनो की वजह से इस बार कम बारिश हो सकती है।

केंद्र, जांच एजेंसियां उनके परिजनों को कर रही है प्रताड़ित: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोगों और उनके परिजनों को परेशान करने के लिए केंद्र और उसकी जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई की आलोचना की।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (दमदम) पर आव्रजन अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के भतीजे अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजीरा बनर्जी को अपनी बीमार मां को देखने के लिए विदेश जाने से रोकने के बाद सुश्री बनर्जी की यह प्रतिक्रिया आयी हैं। प्रवर्तन विभाग (ईडी) ने उन्हें इस सप्ताह जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया है।

सुश्री बनर्जी ने एक बयान में कहा, ईडी और सीबीआई जो कर रहे हैं, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। वे लोगों को परेशान कर रहे हैं। अभिषेक बनर्जी की सास बीमार हैं इसलिए उनकी पत्नी अपनी मां से मिलने

जा रही थीं। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि अगर उन्हें शहर छोड़ना है, तो वह ईडी को सूचित कर सकती है और ऐसा कर किया था। ईडी के अधिकारियों ने उसे पहले से नहीं बताया था कि वह विदेश यात्रा नहीं कर सकती। हवाईअड्डा पर यह उत्पीड़न के अलावा और कुछ नहीं है।

ओडिशा ट्रेन हादसे की सीबीआई जांच शुरू, घटनास्थल का दौरा, मारे गए 278 लोगों में से 101 बॉडी की पहचान नहीं

भुवनेश्वर/बालासोर। ओडिशा ट्रेन हादसे की CBI ने जांच शुरु कर दी है। CBI टीम ने सोमवार शाम को घटनास्थल का दौरा किया। उधर, हादसे में मरने वाले 278 लोगों में से 101 शवों की पहचान नहीं हो पाई है। DRM भुवनेश्वर रिंकेश रॉय ने मंगलवार को बताया कि घायल 1100 लोगों में से 900 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। राज्य के विभिन्न अस्पतालों में करीब 200 लोगों का इलाज चल रहा है। रेलवे ने दुर्घटना में प्रभावित लोगों के परिवारों की मदद के लिए ओडिशा सरकार के साथ मिलकर ऑनलाइन लिंक rcodisha.nic.in, www.bmc.gov.in जारी किए हैं।

इनमें मृतकों की तस्वीरें और तमाम अस्पतालों में भर्ती यात्रियों की लिस्ट दी गई

है। BMC की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर 1929 पर अब तक 200 से ज्यादा फोन आ चुके हैं। शवों की पहचान कर उन्हें परिजनों को सौंपा जा रहा है।

रेलवे ने सिस्टम सुधार का आदेश दिया

आने वाले समय में बालासोर जैसे हादसे न हो, इसके लिए रेलवे ने सिस्टम सुधारने का आदेश दे दिया है। सिग्नलिंग से लेकर लॉकिंग सिस्टम की जांच की जाएगी। वहीं, स्टेशन मास्टर और कंट्रोल रूम सेंटर में लगे सभी उपकरणों का रिव्यू किया जाएगा।

रेलवे ने सुधार के लिए 3 कदम उठाए

देशभर में सिग्नलिंग और डबल लॉकिंग सिस्टम की जांच: ट्रिपल ट्रेन हादसे के तीन दिन बाद रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने बहानगा बाजार स्टेशन के सिग्नल रूम और कंट्रोल रूम का दौरा किया। साथ ही स्टेशन के प्रभारी सहायक स्टेशन प्रबंधक से पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रेल मंत्रालय ने देशभर के रेलवे स्टेशन पर सिग्नलिंग सिस्टम और डबल लॉकिंग सिस्टम की सुरक्षा जांच करने का आदेश जारी किया है। इसके तहत एक हफ्ते तक अभियान चलाया जाएगा।

रिले रूम में हर किसी को नहीं मिलेगी एंट्री-रिले रूम में एंट्री को लेकर सख्ती और सावधानी बरतने के आदेश भी दिए गए। अभियान में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जब भी स्टेशन पर सिग्नलिंग रिले रूम खुले और बंद हों, तो स्स्र्स अलर्ट जनरेट करने की प्रणाली ठीक से काम करे। निर्देश में कहा गया है कि स्टेशन सीमा के साथ सभी केबिन हाउसिंग सिग्नलिंग उपकरण की जांच हो और डबल लॉकिंग की व्यवस्था ठीक की जाए।

रिले रूम खुलने और बंद करने पर SMS अलर्ट- रिले रूम से सिग्नल सिस्टम को संचालित किया जाता है। यह रूम दो चाबी से खुलता है। एक चाबी स्टेशन मास्टर और दूसरी चाबी सिग्नल मास्टर (जेई) के पास होती है।

'धर्मांतरण' के ऑनलाइन गेम पर कसा शिकंजा, गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट; विदेशी फंडिंग की होगी जांच

गाजियाबाद। गेमिंग ऐप के जरिए नाबालिगों का धर्म परिवर्तन करने वाले गिरोह के खुलासे के बाद इनपुट मिले हैं कि गिरोह का जाल देशभर में फैला है। इसके चलते आईबी मामले की जांच में जुट गई है। वहीं गृह मंत्रालय और मुख्यमंत्री कार्यालय ने गाजियाबाद पुलिस से मामले में विस्तृत जानकारी मांगी है। दूसरी ओर कविनगर पुलिस ने सरगना बद्दो को गिरफ्तार करने के लिए महाराष्ट्र में डेरा डाल दिया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक गेमिंग ऐप के जरिए नाबालिगों का धर्मांतरण कराने का मामला केंद्र और प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है। पता लगाया जा रहा है कि गैंग में कौन-कौन शामिल हैं और कितने नाबालिगों का धर्मांतरण करा चुके हैं। कविनगर पुलिस ने इस मामले में रविवार को संजयनगर सेक्टर-23 से अब्दुल रहमान उर्फ नन्नी को गिरफ्तार कर लिया था।

स्थानीय छात्र के संपर्क में मिले गैर राज्यों के छात्र

धर्मांतरण कर चुके जिस छात्र के पिता की शिकायत पर पुलिस ने उक्त गिरोह को बेनकाब किया है, उस छात्र के तार अन्य राज्यों में रहने वाले नाबालिग छात्रों से भी जुड़े हैं। पुलिस की मानें तो स्थानीय छात्र फरीदाबाद और चंडीगढ़

में रहने वाले छात्रों के संपर्क में था। इसके अलावा यह दोनों छात्र मुंबई में बैठे गैंग सरगना बद्दो उर्फ खान शाहनवाज मकसूद के भी संपर्क में थे। दोनों छात्रों और उनके परिजनों से पूछताछ के लिए पुलिस टीमें फरीदाबाद और चंडीगढ़ गई हैं। कविनगर पुलिस ने धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पकड़े गए अब्दुल रहमान उर्फ नन्नी को सोमवार को कोर्ट में पेश किया। इससे पूर्व उसकी मेडिकल जांच कराई गई।

विदेशी फंडिंग की भी जांच

जांच एजेंसियों ने तीसरे संप्रदाय के लोगों के धर्मांतरण मामले की भी जांच शुरू कर दी है। अंदेशा है कि जिस तरह से एक गिरोह दूसरे संप्रदाय के नाबालिगों को निशाना बनाकर धर्मांतरण करा रहा है, वैसे ही अन्य गिरोह सक्रिय होकर देश-विदेश के तीसरे संप्रदायों को भी टारगेट कर रहे हैं। एजेंसियां फंडिंग करने वालों का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं।

यूपी अल्पसंख्यक आयोग ने डीजीपी से रिपोर्ट तलब की

यूपी अल्पसंख्यक आयोग ने धर्मपरिवर्तन की शिकायत को संज्ञान में लेकर डीजीपी से 12 जून तक रिपोर्ट मांगी है। आयोग के सदस्य सरदार परविन्दर सिंह ने डीजीपी को पत्र लिख कर कहा है कि ऑनलाइन गेमिंग की आड़ में जैन धर्म के किशोर का धर्म परिवर्तन कराया गया है। लिहाजा प्रकरण की जांच कराकर आयोग को 12 जून तक अवगत कराएं।

डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल का कहना है कि गिरोह के सरगना बद्दो उर्फ खान शाहनवाज मकसूद को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें महाराष्ट्र के ठाणे और सोलापुर में डेरा डाले हुए हैं। कामयाबी हाथ न लगने पर उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस से मदद मांगी है। अब महाराष्ट्र पुलिस यूपी पुलिस की मदद कर रही है। जल्द ही बद्दो को गिरफ्तार किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बहुत देर से सजा

लगभग 32 साल पहले किए गए अपराध में वाराणसी की एक अदालत ने सजा सुनाई है, तो यह जहां सकारात्मक फैसला है, वहीं एक बड़ा अफसोस भी इसके साथ जुड़ा है कि काश! हत्या जैसे जघन्य अपराध के मामले में पहले ही सजा सुनाई जाती, तो पूर्वांचल की राजनीति व शायद समाज का स्वरूप कुछ और हो सकता था। अब यह फैसला इतिहास में दर्ज हो गया है कि वाराणसी की एक अदालत ने 1991 के अवधेश राय हत्याकांड में गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी को सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुना दी है। कांग्रेस नेता अजय राय के भाई अवधेश राय की 3 अगस्त, 1991 को उनके घर के गेट पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तभी से मुख्तार के खिलाफ मुकदमा चल रहा था। मगर वह निरंतर राजनीति व समाज में भी सक्रिय रहा, क्या यह चिंता की बात नहीं है? उस पीड़ित परिवार की प्रशंसा करनी चाहिए कि जिसने दशकों इंतजार किया, अनेक सरकारें आईं और गईं, समय के साथ आरोपी भी कद्दावर होता चला गया। यह हमारे समाज का एक स्याह पक्ष है कि हम अपराधियों के प्रति सजग नहीं हैं। लोकतंत्र में प्राथमिकता यही होनी चाहिए कि जनता किसी भी भ्रष्ट या अपराधी को प्रतिनिधित्व के लिए आगे न आने दे। हमारे लोकतंत्र का यह एक 'दुखद पहलू है कि जिस व्यक्ति को तीन दशक से भी ज्यादा समय बाद दोषी करार दिया गया है, वह इस बीच पांच बार विधायक चुना गया। अगर इस नेता ने 1991 में हत्या की थी, तो क्या उसे किसी भी सूरत में विधानसभा पहुंचने देना चाहिए था? राजनीतिक पार्टियां इस पर ज्यादा नहीं सोचती हैं, क्योंकि उनका चुनाव जीतने वाले प्रत्याशी से ही सरोकार होता है। यह व्यापकता में हमारे लोकतंत्र की खामी है कि अच्छे प्रत्याशी से ज्यादा महत्वपूर्ण है चुनाव जीतने वाला प्रत्याशी। लोगों में भी जागरूकता बढ़नी चाहिए। यह बहुतों को याद होगा कि वाराणसी में लोकसभा चुनाव 2009 में मुख्तार को पराजय नसीब हुई थी, लेकिन वह जेल में रहते हुए भी 27 प्रतिशत से ज्यादा वोट लेने में कामयाब रहा था। सोचना चाहिए, लोग आखिर क्या सोचकर दागियों को वोट देते हैं? राजनीतिक पार्टियां किस आधार पर इनका बचाव करती हैं? क्या कोई अपराधी तब तक माननीय बना रह सकता है, जब तक वह अदालत में दोषी न सिद्ध हो? बड़े नेता भी दागियों के बचाव में यह दलील देते हैं कि फलां के खिलाफ अभी अपराध सिद्ध नहीं हुआ है। यह सही है कि सजा से पहले अपराध सिद्ध होना जरूरी है, लेकिन जब अपराध सिद्ध होने में ही 32 साल लग जाएं, तो किसको दोष दिया जाए? क्या वह व्यवस्था जिम्मेदार नहीं है, जो अपराधियों को सजा सुनाने में जरूरत से ज्यादा वक्त ले रही है? देर से किया गया न्याय क्या किसी अन्याय से कम है? वैसे, कृष्णानंद राय हत्या मामले में मुख्तार को पहले ही दस साल कैद की सजा सुनाई जा चुकी है, वह जेल में है। हालांकि, उसके रसूख या विरासत पर कोई खास असर नहीं हुआ है। पिछले वर्ष ही उसके पुत्र ने विधानसभा का चुनाव जीता है। नेतृत्व के लिए गलत नेताओं का चयन और न्यायपालिका व कानून-व्यवस्था की ढिलाई लगभग परंपरा बन चुकी है। शायद यही कारण है कि आज लोकसभा और विधानसभाओं में बड़ी संख्या में दागी विराजमान हैं। क्या कई लोग यह नहीं सोचने लगे होंगे कि अपने देश में कितने ऐसे सांसद या विधायक हैं, जो जघन्य अपराध कर चुके हैं, लेकिन दोष सिद्ध न हो पाने की वजह से सत्ता सुख भोग रहे हैं?

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कलयुगी अजर अमर प्लास्टिक ! समझो और उपयोग करो

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टॉक्सिकॉलजी रिसर्च, लखनऊ के एक साइंटिस्ट के अनुसार पानी में न घुल पाने और बायोकेमिकली ऐक्टिव न होने की वजह से प्योर प्लास्टिक बेहद कम जहरीला होता है। लेकिन जब इसमें दूसरी तरह के प्लास्टिक और कलर आदि मिला दिए जाते हैं तो यह नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। ये केमिकल खिलौने या दूसरे प्रॉडक्ट्स में से गर्मी के कारण पिघलकर बाहर आ सकते हैं। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए अमेरिका ने बच्चों के खिलौनों और चाइल्ड केयर प्रॉडक्ट्स में इस तरह की प्लास्टिक के इस्तेमाल को सीमित कर दिया है।

विगत पचहत्तर वर्षों में प्लास्टिक ने हमारे जीवन शैली पर इतना अधिक प्रभाव डाला हैं की हम जिसे उपयोगी समझते थे या हैं पर उनका अंत हमारे ईश्वरीय अवतार जैसा हैं, जिसने जन्म लिया पर अमरत्व प्राप्त किया। कभी न मरेगा। ऐसा नहीं हैं की इसके उपयोग से कोई भी बचा हैं या रह सकता हैं। क्योकि यह हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया हैं। इसका उपयोग करना और इसके दुष्प्रभाव से सब परिचित हैं पर ऐसी क्या मज़बूरी या कमजोरी हैं जो इससे बच नहीं पा रहे हैं। गांव, क़स्बा, शहर महानगर और जल, नभ थल भी इसके दुष्चक्र से निकल नहीं पा रहा हैं। इसका उपयोग नुक्सानदायकनहीं होगा इसीलिए हम आँख बंदकर उपयोग कर रहे हैं। यह धीमा जहर हैं जैसे पहले विषकन्या तैयार की जाती थी वैसा ही हमारा समाज विषमय होकर विषाक्तता की ओर बढ़ रहा हैं। जब तक अज्ञान थे तब तक बहुत, जी भर कर उपयोग किया और कर रहे हैं, अब सब जगह से खतरे की घंटी बजने लगी तब अब चेतने का समय आ गया।

हमारी लाइफ में हर जगह प्लास्टिक की घुसपैठ है। सिर्फ किचन की बात करें तो नमक, घी, तेल, आटा, चीनी, ब्रेड, बटर, जैम, सॉस... सब कुछ प्लास्टिक में पैक होता है। तमाम चीजों को लोग किचन में रखते भी प्लास्टिक के कंटेनरों में ही हैं। सस्ती, हल्की, लाने-ले जाने में आसान होने की वजह से लोग प्लास्टिक कंटेनर्स को पसंद करते हैं। ऐसे में खाने-पीने से जुड़ी चीजों में यूज होने वाले प्लास्टिक से होनेवाले नुकसान के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टॉक्सिकॉलजी रिसर्च, लखनऊ के एक साइंटिस्ट के अनुसार पानी में न घुल पाने और बायोकेमिकली ऐक्टिव न होने की वजह से प्योर प्लास्टिक बेहद कम जहरीला होता है। लेकिन जब इसमें दूसरी तरह के प्लास्टिक और कलर आदि मिला दिए जाते हैं तो यह नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। ये केमिकल खिलौने या दूसरे प्रॉड्क्ट्स में से गर्मी के कारण पिघलकर बाहर आ सकते हैं। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए अमेरिका ने बच्चों के खिलौनों और चाइल्ड केयर प्रॉडक्ट्स में इस तरह की प्लास्टिक के इस्तेमाल को सीमित कर दिया है। यूरोप ने साल 2005 में ही इस पर बैन लगा दिया था तो जापान समेत 9 दूसरे देशों ने भी इस पर पाबंदी लगा दी है

प्लास्टिक की थालियां और स्टोरेज कंटेनर्स खाने-पीने की चीजों में केमिकल छोड़ते हैं। इसका खतरा टाइप 3 और 7 या किसी हार्ड प्लास्टिक से बने कंटेनर्स में और भी ज्यादा होता है। इन प्लास्टिक्स में बायस्फेनॉल ए (BPA) नामक केमिकल होता है। ये केमिकल हमारे शरीर के हॉर्मोंस को प्रभावित करते हैं, इनसे ब्रेस्ट कैंसर का खतरा रहता है और पुरुषों में स्पर्म काउंट घटने का भी रिस्क होता है। प्रेग्नेंट महिलाओं और बच्चों के लिए ये ज्यादा नुकसानदेह है।

- अमेरिका के फूड ऐंड ड्रग ऐडमिनिस्ट्रेशन ने इस बात को माना है कि सभी तरह की प्लास्टिक एक वक्त के बाद केमिकल छोड़ने लगते हैं, खासकर जिन्हें गर्म किया जाता है। आप ऐसे समझ सकते हैं कि बार-बार गर्म करने से इन कंटेनर्स के प्लास्टिक के केमिकल्स टूटने शुरू हो जाते हैं और फिर ये खाने-पीने की चीजों में मिक्स हो जाते हैं। नतीजन गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

आमतौर पर हम प्लास्टिक बोतल को तेज धूप में खड़ी कार में रखकर छोड़ देते हैं। गर्म होकर इन प्लास्टिक बोतलों से केमिकल निकलकर पानी के साथ रिऐक्ट कर सकता है। ऐसे पानी या सॉफ्ट ड्रिंक्स को न पिएं। यहां तक कि घरों की छतों पर मौजूद पानी की टंकियों में तेज धूप में होने वाली रिएक्शन को लेकर भी खतरा जताया जा रहा है। इसे लेकर स्टडी की जा रही है लेकिन अभी पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। सावधानी के तौर पर टंकी के ऊपर शेड बनवा सकते हैं।

अक्सर देखा गया है कि छोटी पॉलिथीन थैलियों में लोग गर्म चाय ले जाते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह तरीका बेहद नुकसानदेह है। तुरंत तो कुछ पता नहीं चलता, लेकिन लंबे समय तक इस्तेमाल करने से यह कैंसर का कारण बन सकता है। दरअसल, बेहद गर्म चीजों के साथ प्लास्टिक का रिऐक्शन होता है तो कैंसर कारक तत्व पैदा होते हैं। इसी तरह खाने की दूसरी चीजों को भी गर्म-गर्म प्लास्टिक कंटेनर में न रखें।

प्लास्टिक शीशी में होम्योपैथिक दवाएं सेफ होती हैं, बशर्ते शीशी लूज प्लास्टिक की न बनी हों। वैसे, कांच की शीशी में होम्योपैथिक मेडिसिंस रखी हों तो बेहतर रहेगा, क्योंकि इसमें किसी भी तरह का शक-सुबहा नहीं रह जाता। यह नियम एलोपैथिक दवाओं खासकर सिरप आदि पर भी लागू होता है। प्लास्टिक से बने इंजेक्शन, आईवी आदि के नुकसान के बारे में अभी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

- बच्चे को फीड करने के लिए प्लास्टिक बॉटल का इस्तेमाल न करें। इसकी जगह स्टील या कांच की बॉटल यूज करें। अगर प्लास्टिक की बॉटल यूज करना ही है तो अच्छी क्वॉलिटी की लें। बॉटल के ऊपर ब्र्स्न फ्री या ब्र्स्त्र फ्री या लेड फ्री आदि लिखा हो तो बेहतर है।

- प्लास्टिक बॉटल को माइक्रोवेव या गैस पर पानी में बिल्कुल न उबालें। बॉटल को गर्म पानी से साफ करना काफी है। इसके अलावा क्लोरीन सलूशन से साफ कर सकते हैं। इससे सारे किटाणु निकल जाते हैं।

- सेंटर फॉर साइंस ऐंड इन्वाइरनमेंट (ष्टस्श्व) की एक स्टडी में कहा गया है कि बच्चों के दांत निकलते वक्त उसे जो खिलौने दिए जाते हैं उनमें बेहद खतरनाक केमिकल्स पाए गए हैं। बच्चों को प्लास्टिक के टीथर देने के बजाय खीरे या गाजर के चिल्ड बड़े टुकड़े या मुलहठी की बड़ी डंडी (छोटी डंडी गले में फंस सकती है) दे सकते हैं।

प्लास्टिक कंटेनर को माइक्रोवेव में गर्म नहीं करना चाहिए यहां तक कि थोड़ी देर के लिए भी नहीं। कभी मजबूरी में करना ही हो तो वही कंटेनर यूज करें, जिन पर माइक्रोवेव सेफ का सिंबल हो। साथ ही, इनमें ऐसी चीजें बेहद थोड़ी मात्रा में न गर्म करें, जिनमें फैट या शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा हो। माइक्रोवेव में कांच, पाइरेक्स या चीनी मिट्टी के कंटेनर यूज करें।

आजकल क्या हमेशा से सब सामग्री प्लास्टिक से कवर्ड मिलती हैं विशेष कर कपडे आदि, उनमे हवा का प्रवेश न होने से और तैयार होते समय कुछ नमी रहने से सूक्ष्म फंगस जैसे कीटाणु भी पैदा होते हैं जो उपयोग करने पर त्वचा रोग और किसी किसी को एलर्जी पैदा कर देती हैं।

आजकल हर प्रकार की दवाईयां चाहे आयुर्वेद के आसव -- अरिष्ट प्लास्टिक की शीशी में प्रदाय किया जाना घातक होता हैं कारण प्लास्टिक का अलकोहल से रिएक्शन होता हैं।

हम सब विवेकवान और शिक्षित हैं इसीलिए इस बात को आप स्वयं गंभीरता से ले और स्वयं आगन्तुज रोगों से बच सकते हैं। यह निरयण आपका स्वयं का अपने, परिवार के हित में होगा। जानकारी से सब अवगत हैं पर लापरवाही के कारण दुष्प्रभाव से नहीं बच सकोंगे। निरयण आपका हैं। वो अमर रहेगा और हमारा मरण करा देगा।

कितनी सफल होगी नीतीश कुमार की मुहिम

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक मजबूत मोर्चा बनाने की कवायद में जुटे हुए हैं। इसके लिए नीतीश कुमार देश के विभिन्न क्षेत्रीय दलों के प्रमुखों से मिलकर उन सबको भाजपा के विरोध में एकजुट होने के लिए तैयार कर रहे हैं। नीतीश कुमार का प्रयास है कि मजबूत विकल्प के अभाव में पिछले नौ वर्षों से केंद्र में भाजपा की सरकार चला रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष विरोधी दलों का एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत किया जाए। ताकि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को केंद्र की सत्ता से बाहर किया जा सके।

नीतीश कुमार ने जब से बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ा है। उसके बाद से उनका पूरा प्रयास है कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव पर रोक लगाकर उनकी मनमानी को रोका जाए। नीतीश कुमार इस मुहिम में कांग्रेस को भी शामिल करना चाहते हैं। नीतीश कुमार का मानना है कि पहले सभी भाजपा विरोधी दल एक मंच पर आकर चुनाव में भाजपा को हरायें। उसके बाद प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। नीतीश कुमार अभी स्वयं को प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से बाहर मान रहे हैं। उनका कहना है कि वह स्वयं प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। चुनाव के बाद बहुमत मिलने पर सभी विरोधी दलों के नेताओं की सहमति से प्रधानमंत्री का चयन किया जाएगा।

नीतीश कुमार इस सिलसिले में बीजू जनता दल के अध्यक्ष व उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, द्रुमक के अध्यक्ष व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष व तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत ,चौधरी, माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी, भाकपा के महासचिव डी राजा सहित कई अन्य क्षेत्रीय दलों के नेताओं से इस संबंध में मिलकर चर्चा कर चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी से भी नीतीश कुमार की विपक्षी एकता को लेकर विस्तृत चर्चा हो चुकी है।

भाजपा विरोधी दलों में इस समय नीतीश कुमार ही ऐसे नेता है। जिनके सभी दलों के नेताओं से सौहार्दपूर्ण संबंध है तथा वह सभी से खुलकर बात कर सकते हैं। नीतीश कुमार की मुहिम में अधिकांश राजनीतिक दलों ने उनसे साथ देने का वादा भी किया है। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल, हम सहित कई राजनीतिक दल पहले से ही नीतीश कुमार नीत गठबंधन सरकार में साथ हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, असम से सांसद बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ने भी नीतीश की मुहिम में शामिल होने के लिए हां कर दी है।

नीतीश कुमार अपने भाजपा विरोधी मुहिम में जुटे हुए हैं। मगर उन्हें बहुत से स्थानों पर सफलता भी नहीं मिल रही है। कहने को तो उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक उनके बहुत ही पुराने घनिष्ठ मित्र हैं। मगर वह नीतीश कुमार की मुहिम में शायद ही शामिल हो। नवीन पटनायक केंद्र की भाजपा सरकार को हर मुद्दे पर साथ देते हैं। इसी तरह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री व वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष जगनमोहन रेड्डी भीं अंततः भाजपा की तरफ ही जाएंगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी कांग्रेस के साथ किसी मोर्चे में शामिल होना पसंद नहीं करेंगे। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम बदलकर भारतीय राष्ट्र समिति कर दिया ह। उनका कहना है कि आने वाले चुनावों में वह कई प्रदेशों में अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारेंगे। ऐसे में तेलंगाना में उनकी कांग्रेस से सीधी टक्कर है। इस कारण से उनका नीतीश कुमार के मोर्चे में शामिल होना मुश्किल लग रहा है।

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी से दूरी बनाकर चल रही है।। उन्होंने अकेले ही आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ऐसी परिस्थिति में वह ऐसे किसी मोर्चे में शामिल नहीं होगी जहां समाजवादी पार्टी व कांग्रेस शामिल हो। आम आदमी पार्टी की भी दिल्ली, पंजाब, गुजरात सहित हिंदी भाषी बेल्ट में भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस से भी सीधा मुकाबला है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के वोट बैंक पर ही अपना आधार बनाया है। जहां-जहां कांग्रेस कमजोर हुई है। वहां-वहां आम आदमी पार्टी मजबूत हुई है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के नेता आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में शायद ही शामिल हो।

केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली में सरकार व उपराज्यपाल के अधिकारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के खिलाफ अध्यादेश जारी किया गया है। जिसके खिलाफ आम आदमी पार्टी राज्यसभा में सभी विपक्षी दलों से सहयोग मांग रही है। मगर आम आदमी पार्टी को राज्यसभा में सहयोग देने के मसले पर कांग्रेस के अंदर ही विरोध हो गया है। कांग्रेस महासचिव अजय माकन, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, पंजाब कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा सहित कई नेताओं ने आम आदमी पार्टी को कांग्रेस की दुश्मन नंबर एक बताते हुए उसे किसी भी तरह का समर्थन नहीं देने की बात कही है। अजय माकन ने तो कहा है कि आम आदमी पार्टी भाजपा से मिलकर कांग्रेस को कमजोर करने में लगी हुई है। ऐसे में उन्हें किसी भी तरह का समर्थन देना आत्मघाती कदम साबित होगा।

पहले हिमाचल फिर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार के बाद भाजपा बैकफुट पर नजर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धुआंधार प्रचार व रोड शो के उपरांत भी दोनों ही प्रदेशों में भाजपा अपनी सरकार नहीं बचा सकी थी। इससे कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। कांग्रेस का मानना है की राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर विधानसभा के आगामी चुनाव में यदि विपक्षी दल एकजुट होकर चुनाव लड़े तो भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। यदि इन प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में भाजपा हार जाती है तो अगले लोकसभा चुनाव में उसका मनोबल काफी कमजोर हो जाएगा। वहीं इन प्रदेशों में जीतने से विपक्षी दलों की एकजुटता और अधिक मजबूत होगी। जिसका लाभ उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव में मिल सकेगा।

नीतीश कुमार द्वारा आगामी 12 जून को पटना में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक अचानक ही स्थगित कर दी गई है। बैठक को स्थगित करने के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि अगली तिथि कि घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी। आगामी बैठक में जितने अधिक विपक्षी दलों के नेता शामिल होंगे उतनी ही विपक्ष की राजनीति मजबूत होगी। भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं को आपसी हितों व टकराव को टाल कर एकजुटता से मुकाबला करने पर ही कामयाब हो पायेंगे।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

महिला पहलवानों के आंदोलन को तोड़ने की साजिश, साख पर बट्टा?

(लेखक- सनत जैन)

महिला पहलवानों का जंतर मंतर में चल रहा आंदोलन,जिस तरीके से दिल्ली पुलिस ने खत्म कराया। महिला पहलवानों की जिस तरह से गिरफ्तारी हुई। उसकी तीव्र प्रतिक्रिया सारे देश में हुई थी। उसके बाद पहलवानों द्वारा अपने सभी मेडल गंगा में बहाने क़ी जो कवरेज मीडिया में हुई। उससे भाजपा की छवि को बहुत बड़ा बट्टा लगा है। यह अलग बात है, कि सत्ता में रहते हुए छबि पर नुकसान का एहसास सरकार के मंत्रियों और भाजपा के नेताओं को नहीं हो पा रहा है। रही सही कसर सोमवार को पूरी हो गई। जब मीडिया ने यह खबर चलाई कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ,पास्को एक्ट के तहत जो शिकायत की गई थी। उसे वापस ले लिया गया है। महिला पहलवान ने पुलिस थाने और न्यायालय में बयान देकर शिकायत को वापस ले ली है। पहलवानों की भेंट केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से देर रात हुई थी। उसके बाद मीडिया के द्वारा शिकायत वापस लेने की खबर सामने आई। मीडिया में इस खबर के आने के बाद खाप पंचायत ने अपने हाथ खींच लिए, वहीं आंदोलन को लेकर सौदेबाजी की बात भी सामने आने लगी। किसान और खाप पंचायतों का जो समर्थन महिला पहलवानों को मिल रहा था। उसको लेकर अनिश्चय की स्थिति बनी। लेकिन जब मीडिया के खबर की सच्चाई सामने आई। उससे मीडिया के साथ-साथ ब्रज भूषण सिंह को बचाने में सरकार की साख को नुकसान हुआ। पहलवान इस बीच रेलवे में अपने काम पर वापस लौटे। मीडिया की खबरों को लोगों ने कुछ देर के लिए सच मान लिया। मीडिया में शिकायत वापस लेने की खबरों के चलने के बाद साक्षी मलिक ने घोषणा की, कि उन्होंने आंदोलन नहीं छोड़ा है। बजरंग पुनिया ने भी कहा कि आंदोलन को हल्का करने के लिए जानबूझकर अफ़वाह फैलाई जा रही है। पहलवानों का हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही है। वहीं नाबालिग लड़की का पिता भी सामने आया। उसने कहा कि हमने शिकायत को वापस नहीं लिया है। इस खंडन और मुंडन के बाद सरकार पर भी दबाव बना। मंगलवार की सुबह मीडिया ने यह खबर चलाई, कि दिल्ली पुलिस उत्तर प्रदेश के गोंडा में पहुंचकर बृजभूषण शरण सिंह से पूछताछ कर रही है। महिला पहलवानों के इस आंदोलन से भारतीय जनता पार्टी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत छवि को काफी नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अंतर्राष्ट्रीय मेडल जीतने के बाद स्वयं महिला पहलवानों से मिले थे। उन्हें अपने परिवार का सदस्य बताया था। जब इनको न्याय नहीं मिल पा रहा है। तो अन्य लोगों को न्याय मिलना संभव नहीं है। तो अन्य लोगों को न्याय मिलना संभव ही नहीं है। इस तरह की धारणा ओर इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत छवि पर भी पडा है। महिलाओं को लेकर सरकार की असंवेदनशीलता और बृजभूषण शरण सिंह को सरकार की सरपरस्ती से देश भर की महिलाओं मे तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। महीनों बाद इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पहलवानों से मिलकर उनसे बात करना और सही तरीके से जांच करने का आश्वासन देने पर पहलवानों को थोड़ा भरोसा जरूर हुआ है। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आती है। अतः पहलवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री के आश्वासन को गंभीरता से लिया है। सरकार को यह समझना होगा, कि इतनी बदनामी के बाद यदि पहलवानों का यह आंदोलन इस तरह के हथकंडो से समाप्त कराया जाएगा। तो सरकार को स्थाई रूप से इसका नुकसान होगा। सत्ता का डंडा यदि निर्बल पर चलेगा। निर्बल कोई मुकाबला तो नहीं कर पाएगा। उसे आमजनों की सहानुभूति मिलेगी। हाँ सरकार की साख जरूर गिरेगी। यह नुकसान सरकार और भाजपा को ही स्थाई रूप से उठाना पड़ेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस नाजुक दौर में काफी सोच समझकर निर्णय लेने की जरूरत है।

बृजभूषण शरण सिंह को बचाने के चक्कर में सरकार और पार्टी को दांव में लगाना, इसे सरकार की विफलता ही माना जाएगा। ऐसे संवेदनशील मामलों में सरकार को गंभीरता से, समय के अनुसार निर्णय लेने की जरूरत होती है। जो इस मामले में अभी तक देखने को नहीं मिली है।

फिर आई माइक्रोसॉफ्ट 365 के सर्वर में गड़बड़ी

नई दिल्ली । माइक्रोसॉफ्ट की कई सर्विस डाउन चल रही हैं। यूजर्स ने माइक्रोसॉफ्ट 365 की सर्विस के बारे में शिकायतें दर्ज कराई है। आउटलुक के अलावा माइक्रोसॉफ्ट की टीम्स और स्टोर सर्विस में भी समस्या आ रही है। भारत में भी यह सर्विस काम नहीं कर रही है। कंपनी की ओर से ट्वीट करके कहा गया है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही इस बारे में अपडेट किया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट की सर्विसेज डाउन चल रही है। फिलहाल इसके कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि रात करीब 8 बजे माइक्रोसॉफ्ट आउटलुक का सर्वर डाउन हुआ। इस दौरान लोगों को मेल भेजने और रिसीव करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कंपनी ने माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाओं में खराबी को लेकर न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के कमेंट का कोई जवाब नहीं दिया। इस साल की शुरुआत से लेकर ये तीसरी बार है जब माइक्रोसॉफ्ट सर्विसेज को तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा है। एक वेबसाइट के अनुसार, इस साल की शुरुआत में करीब 2000 ऐसे वाकये हुए जब अलग-अलग जगहों पर माइक्रोसॉफ्ट की सर्विसेज डाउन होने की बात कही गई।

बेमौसम बारिश से टमाटर और अदरक की कीमतों में आई तेजी

मुंबई । बीते एक पखवाड़े में टमाटर और अदरक की कीमतों में बहुत तेजी से इजाफा हुआ है। हाल ही में हुई बेमौसम बारिश ने उत्तर भारत में टमाटर की फसल को प्रभावित किया है, यहां अदरक के दाम में भी लगभग दोगुना इजाफा देखा गया है और इसके भाव आसमान पर जा पहुंचे हैं। पिछले 15 दिनों में ही टमाटर के दाम दोगुने हो गए हैं और इसके भाव 40 रुपए से सीधा 80 रुपए किलो हो गए हैं। ये दाम रिटेल बाजार के लिए दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली की आजादपुर मंडी में इस समय टमाटर की आमद कम हो गई है और इसका सबसे बड़ा कारण बेमौसम की बारिश है जिसके चलते टमाटर की फसलों को बेहद नुकसान पहुंचा है। उधर अदरक के दाम भी उछाल पर हैं जो अदरक पहले 30 रुपए का 100 ग्राम मिलता था वो अब 50-80 रुपए प्रति 100 ग्राम तक चले गए हैं। इसके पीछे कारण बताया जा रहा है कि पिछले साल किसानों ने अदरक की फसल नुकसान पर बेची थी और इस साल वो इसका ख्याल रखते हुए कम संख्या में अदरक की सप्लाई सब्जी मंडियों में कर रहे हैं। अब जब अदरक के दाम बाजार में चढ़ चुके हैं तो वो इसे बाजार में ऊंची कीमत पर बेचने के लिए ऑफलोड कर रहे हैं।

आइकिया लाइटिंग का आईपीओ खुला

मुंबई । आईकिया लाइटिंग का आईपीओ मंगलवार 6 जून से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है और 8 जून को बंद होगा। आईपीओ के माध्यम से कंपनी 607 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के तहत कंपनी 350 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयरों जारी करेगी। प्रमोटरों द्वारा 90 लाख इक्विटी शेयरों को बिक्री के लिए पेश किया जाएगा। कंपनी ने प्राइस बैंड 270-285 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली 5 जून से ही चालू हो गई थी। आई किया लाइटिंग आईपीओ के लिए लॉट साइज 52 शेयर है और खुदरा निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी 13 जून को शेयरों के आवंटन का आधार तय करेगी और शेयरों को 16 जून को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होने की उम्मीद है। केफिन टेक्नोलॉजीज इस आईपीओ का रजिस्ट्रार हैं और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं।

इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में एलन मस्क पहले नंबर पर

- मस्क की नेटवर्थ 200 अरब डॉलर के पार, बहुत पीछे छूट गए गौतम अडानी

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ एक बार फिर तेजी के साथ बढ़ रही है। कई दिनों बाद यह एक बार फिर 200 अरब डॉलर पार कर गई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 2.60 अरब डॉलर की तेजी आई और यह 202 अरब डॉलर पहुंच गई। टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर के सीईओ मस्क की नेटवर्थ में इस साल 65.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में मस्क पहले नंबर पर हैं। हाल में उन्होंने फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा अमीर बनने का तमगा हासिल किया था। आरनॉल्ट की नेटवर्थ में सोमवार को 2.90 अरब डॉलर की गिरावट आई और अब यह 188 अरब डॉलर रह गई। इस तरह मस्क और आरनॉल्ट की नेटवर्थ में अब 14 अरब डॉलर का फासला हो गया है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 149 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। दूसरी बार दूल्हा बनने जा रहे 59 साल के बेजोस की नेटवर्थ में 1.27 अरब डॉलर की तेजी आई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 42.2 अरब डॉलर की तेजी आई है। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 129 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे और लैरी एलिसन (120 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। स्टीव बाल्मर (116 अरब डॉलर) छठे, वॉरेन बफे (115 अरब डॉलर) सातवें, लैरी पेज (114 अरब डॉलर आठवें), सर्गेई ब्रिन (108 नौवें) और मार्क जकरबर्ग (98.9 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। इस बीच भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी इस लिस्ट में 13वें नंबर पर बने हुए हैं। उनकी नेटवर्थ में 37.5 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ और यह 85 अरब डॉलर पहुंच गई। वैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में इस साल 2.09 अरब डॉलर की गिरावट आई है। पिछले साल अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंचने वाले गौतम अडानी इस लिस्ट में 19वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 58.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अब उनकी नेटवर्थ 61.7 अरब डॉलर रह गई है। वह एशिया के अमीरों की लिस्ट में अंबानी और चीन के झोंग शैनशैन के बाद तीसरे नंबर पर हैं। पिछले साल उनकी नेटवर्थ 150 अरब डॉलर पहुंच गई थी और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए थे। लेकिन 24 जनवरी को आई एक रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई।

एचडीएफसी बैंक की कुछ सेवाएं इस माह दो दिन बंद रहेंगी

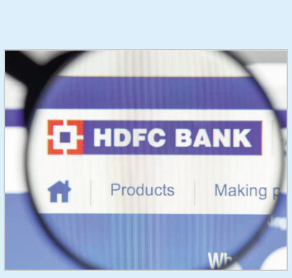

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक की ओर से अपने ग्राहकों को ईमेल द्वारा सूचित किया गया है कि सिस्टम के रखरखाव और अपग्रेड के चलते जून के महीने में दो दिन कुछ सेवाएं बंद रहेंगी। इसके अलावा कोटक महिंद्रा बैंक की भी कुछ चुनिंदा डेबिट कार्ड सेवाएं जून में कुछ घंटों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। बैंक ने लिखा है आपको बेस्ट बैंकिंग एव सपीरीयंस देने की कोशिश के तहत यह किया जा रहा है। बैंक की तरफ से आगामी 10 और 18 जून को अकाउंट बैलेंस, डिपाजिट और फंड ट्रांसफर से जुड़ी सेवाएं बाधित रहेंगी। ये तीनों ही सेवाएं इन दिनों में सुबह 3 से 6 बजे तक बाधित रहेंगी। बैंक द्वारा सिस्टम अपग्रेड करने के लिए 4 जून को सुबह 3 बजे से 6 बजे के बीच बैंकिंग सेवाओं को बंद रखा गया था। इस समय बैंकिंग सेवाओं का आमतौर पर कम इस्तेमाल होता है। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक की भी चुनिंदा डेबिट कार्ड सेवाएं 10 जून को कुछ घंटों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। कोटक बैंक के डेबिट कार्ड, स्पेंड्ज़ कार्ड और गिफ्ट कार्ड ग्राहक 10 जून को कुछ घंटों के लिए इन सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे- कार्ड कंट्रोल, कार्ड ब्लॉकिंग और अनब्लॉकिंग, खाता लिंकिंग और डीलिंकिंग, नए डेबिट कार्ड या इमेज कार्ड के लिए रिक्वेट, कार्ड बंद करने की रिक्वेट, टोकनाइजेशन के लिए रजिस्ट्रेशन और पिन री-जेनरेशन।

एनएसई ने निफ्टी बैंक में किया बड़ा बदलाव

एक्सपायरी का दिन बदलकर शुक्रवार किया

मुंबई ।

देश के दिग्गज स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने मंगलवार को बड़ी घोषणा की है। एनएसई ने सर्कुलर जारी कर बताया कि बैंक निफ्टी के एक्सपायरी फीचर्स और ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट साइकिल में बदलाव किया गया है। एक्सचेंज ने बैंक निफ्टी फ्यूचर्स एंड ऑप्शन के लिए एक्सपायरी के दिन को गुरुवार के स्थान पर बदलकर शुक्रवार कर दिया है। अर्थात अब बैंक निफ्टी के फ्यूचर एंड ऑप्शन सौदों के लिए एक्सपायरी शुक्रवार को होगी। यह बदलाव शुक्रवार, 7 जुलाई 2023 से प्रभावी होगा। एनएसई ने सर्कुलर में कहा कि गुरुवार की एक्सपायरी के सभी मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट्स 6 जुलाई, 2023 को शुक्रवार के लिए रिवाइज्ड हो जाएंगे।

एनएसई ने सर्कुलर में कहा कि पहली फ्राइडे एक्सपायरी 14 जुलाई, 2023 को होगी।

दरअसल मंथली कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी को छोड़ दें, तो इस समय हर हफ्ते के गुरुवार को वीकली कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी होती है। ताजा बदलाव के बाद सभी मौजूदा वीकली कॉन्ट्रैक्स हर हफ्ते के शुक्रवार को एक्सपायर होगा। अगर शुक्रवार ट्रेडिंग हॉलीडे हुआ तो एक्सपायरी डे पिछला ट्रेडिंग डे होगा। इस समय मंथली और क्वाटरली कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए एक्सपायरी डे एक्सपायरी महीने का आखिरी गुरुवार होता है। ताजा बदलाव के बाद सभी मंथली कॉन्ट्रैक्ट संबंधित कॉन्ट्रैक्ट मंथ के आखिरी शुक्रवार को एक्सपायर होगा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को नाममात्र की बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से दबाव बना रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 5.41 अंक करीब 0.01 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 62,792.88 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,867.95 का ऊपर जाने के बाद 62,554.21 तक फिसला। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 5.15 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी ऊपर आया। अंत में ये 18,599.00 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,622.75 तक उछलने के बाद 18,531.60 तक गिरा।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक और मारुति सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ अल्ट्राटेक सीमेंट में करीब 3.31 फीसदी तक हुआ।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 12 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, विप्रो और भारतीय एयरटेल सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान इंफोसिस के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.98 फीसदी तक टूटे हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार में कारोबार की सुस्त शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 27 अंक नीचे 62759 पर कारोबार कर रहा था और निफ्टी 6 अंक नीचे 18587 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 50 में 33 शेयरों में तेजी का माहौल था और 17 शेयरों में गिरावट दिखाई दे रही थी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 50 अंकों तक फिसलता नजर आया। शेयर बाजार पर दबाव आईटी शेयरों के कारण दबाव बन रहा है। निफ्टी में इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। ये निफ्टी के टॉप लूजर्स की सूची में हैं। वहीं दूसरी ओर, बजाज फिनसर्व और मारुति के शेयर टॉप गेनर्स के रूप मे कारोबार कर रहे हैं। वहीं गत दिवस बाजार में तेजी रही थी।

अडानी ग्रुप ने 2.65 अरब डॉलर कर्ज का भुगतान किया

मुंबई । अडानी समूह ने अपने कर्ज को कम करने और अमेरिकी शॉर्ट सेलर द्वारा नकारात्मक रिपोर्ट के बाद निवेशकों का विश्वास हासिल करने के लिए 2.65 अरब डॉलर के ऋण का भुगतान कर दिया है। अडानी समूह ने घोषणा की कि उन्होंने अपनी लिस्टेड कंपनियों के शेयरों को कॉलेटरल के रूप में उपयोग करके लोन में कुल 2.15 बिलियन का भुगतान किया है और अंबुजा सीमेंट को खरीदने के लिए लिया गया अतिरिक्त 700 मिलियन का लोन चुकाया है। अडानी समूह ने यह भी बताया कि उन्होंने लोन चुकौती के साथ ब्याज के रूप में अतिरिक्त 203 मिलियन डॉलर का भुगतान किया। उन्होंने अपनी चार लिस्टेड कंपनियों में वैश्विक निवेश फर्म जीओजी पार्टनर को 1.87 बिलियन (लगभग 15,446 करोड़ रुपए) में शेयर बेचे। अडानी समूह ने कहा कि कर्ज कम करने की उनकी योजना से पता चलता है कि बाजार के डांवाडोल होने पर भी वे किस तरह प्रभावी ढंग से अपने पैसे को मैनेज कर रहे हैं और फंड जुटा रहे हैं। वे अपनी सभी कंपनियों में अपने पैसे को लेकर सावधान हैं। यूएस शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी में अडानी समूह पर अकाउंट फ्रॉड और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट जारी की थी, जिससे शेयर बाजार में गिरावट आई, जिसने समूह के बाजार मूल्य के लगभग 145 बिलियन अमेरीकी डॉलर का सफाया कर दिया था।

पटना और नोएडा में में पेट्रोल और डीजल महंगा

- ब्रेंट क्रूड 0.17 डॉलर की गिरावट के साथ 76.54 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.21 डॉलर घटकर 71.94 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.17 डॉलर की गिरावट के साथ 76.54 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव किया है। भुवनेश्वर में पेट्रोल 103.63 रुपए लीटर बिक रहा है। वहीं डीजल की कीमत 95.18 रुपए है। जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपए और डीजल 93.80 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं है लेकिन डीजल हल्की बढ़त के साथ 89.72 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.65 रुपए और डीजल 94.25 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपए और डीजल 89.63 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.76 रुपए और डीजल 94.52 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में फैसले की घोषणा 8 जून को होगी

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (ईएमएस) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक मंगलवार से शुरू हो रही है। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी द्विमासिक बैठक 6 जून से 8 जून तक आयोजित होगी और इसके फैसलों का ऐलान 8 जून को किया जाएगा। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 43वीं बैठक के फैसलों की घोषणा आठ जून गुरुवार को होगी। अप्रैल में पिछली एमपीसी बैठक में आरबीआई ने ब्याज दर वृद्धि को रोक दिया था और रेपो दर को 6.5 फीसदी पर कायम रखा था। इससे पहले महंगाई पर लगाम लगाने के लिए मई, 2022 के बाद से लगातार वृद्धि करते हुए नीतिगत दर रेपो में 2.5 फीसदी वृद्धि की गई थी। एमपीसी की बैठक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित रिटेल महंगाई दर के अप्रैल में 18 महीनों के निचले स्तर 4.7 फीसदी पर आने के बाद हो रही है। आरबीआई गवर्नर ने हाल ही में संकेत दिए थे कि मई में यह आंकड़ा अप्रैल से भी नीचे जा सकता है। जैसा कि ज्यादातर आर्थिक जानकारों का मानना है कि आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई में होने वाली मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी (एमपीसी) की बैठक में केंद्रीय बैंक रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा जाएगा और देश में महंगाई के घटते आंकड़ों के बीच ये फैसला आम जनता को राहत देने के लिए लिया जा सकता है।

एचपीसीएल ने ई27 ईंधन और इथेनॉल मिश्रित डीजल ईंधन पर सफल प्रायोगिक अध्ययन करके भारत के इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम का मार्ग प्रशस्त किया

मुम्बई ।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने वाहनों में ई27 ईंधन और इथेनॉल मिश्रित डीजल ईंधन के उपयोग का एक अनूठा प्रायोगिक अध्ययन किया और उसे इसके सफल परीक्षण की घोषणा करते हुए बड़ा गर्व महसूस हो रहा है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, एचपीसीएल भारत में 2025 तक भारत में इथेनॉल मिश्रण की रूपरेखा के अनुरूप इतने बड़े पैमाने पर अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने वाली ऐसी पहली तेल विपणन कंपनी बन गई है, जिसका उद्देश्य गैसोलीन में इथेनॉल मिलाने को बढ़ावा देना है।

हरे-भरे तथा अधिक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई रूपरेखा में अप्रैल 2023 तक 20त्र इथेनॉल मिश्रित गैसोलीन (ई20) प्राप्त करने तथा अप्रैल 2025 तक इसकी व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक चरणबद्ध योजना शुरू करने की रूपरेखा तैयार करना शामिल है। इसके अलावा, इसमें ई20 सामग्री और ई-10 इंजन-ट्यून्ड वाहनों का इस्तेमाल करने पर बल दिया गया है। ये वाहन अप्रैल 2023 से चलाए जाएंगे,जिसके बाद अप्रैल 2025 से ई20-ट्यून इंजन वाहनों का निर्माण किया जाएगा।

देवनगुंथी,बेंगलुरु में एचपीसीएल के अत्याधुनिक ग्रीन आरएंडडी केंद्र में जैव ईंधन पर व्यापक अनुसंधान करने के लिए विशिष्ट प्रयास चल रहे हैं। केंद्र की कुशल टीम इंजन अनुसंधान प्रयोगशाला में परीक्षण वाहनों की विभिन्न श्रेणियों पर 10त्र से 27त्र तक इथेनॉल-गैसोलीन के विभिन्न मिश्रणों के प्रभाव और प्रदर्शन का मूल्यांकन कर रही है, साथ ही इथेनॉल-डीजल के विभिन्न मिश्रणों का मूल्यांकन भी कर रही है।

ई27 से चलने वाले वाहनों पर किए गए प्रारंभिक अध्ययनों से पारंपरिक गैसोलीन की तुलना में सीओ और टीएचसी जैसे उत्सर्जन में हुई उल्लेखनीय कमी का पता चला है। इसके अलावा, शुद्ध सीओ2 उत्सर्जन को कम करने की व्यापक क्षमता का भी पता चला है। दोपहिया वाहनों और यात्री कारों में अधिक इथेनॉल मिश्रण का उपयोग करके,हम ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को कम करने और कम कार्बन का उत्सर्जन करने वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। प्रायोगिक परियोजना के भाग के रूप में, एचपीसीएल यात्री कारों पर इथेनॉल-डीजल परीक्षणों का भी मूल्यांकन करेगा, जिसका लक्ष्य शुरुआत में 20,000 कि.मी. के लक्षित लाभ प्राप्त करना है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2023 के महत्वपूर्ण अवसर पर, एचपीसीएल को वाहनों में ई27 ईंधन और इथेनॉल मिश्रित डीजल ईंधन का उपयोग करके प्रायोगिक अध्ययन शुरू करने वाली भारत की पहली तेल विपणन कंपनी बनने पर गर्व है। इस प्रायोगिक अध्ययन में छह वाहनों को शामिल किया गया था, जिसमें ई27 ईंधन परीक्षण के लिए 134वॉट और 232वॉट, इथेनॉल मिश्रित डीजल ईंधन परीक्षण के लिए 1×4वॉट,कंप्रेस्ड बायो-गैस ईंधन परीक्षण के लिए 133वॉट और ई20 ईंधन अध्ययन के लिए 134वॉट का कॉन्फ़िगरेशन शामिल था।

ई27 ईंधन के प्रायोगिक अध्ययन में मील दूरी के बढ़ने पर इंजनों और वाहनों में इसके प्रदर्शन और कार्बन उत्सर्जन का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

इस चरण के तहत दोपहिया वाहनों के लिए 10,000 कि.मी. और ई27 ईंधन का उपयोग करने वाली यात्री कारों के लिए 20,000 कि.मी. तक की मील दूरी का पता लगाने की योजना है। आईएस 1460:2017 ईंधन विनिर्देशों के अनुसार, इथेनॉल परीक्षण बायोडीजल-डीजल पर भी किया जाएगा। भविष्य में, इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में भारत का अगला पड़ाव ई20 ईंधन से परे 27त्र इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य प्राप्त करना है। चल रहे परीक्षणों की सफलता और ई27 ईंधन की उपलब्धि को देखते हुए, भारत इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में वैश्विक मंच पर बड़े गर्व के साथ ब्राजील की बराबरी कर रहा है।

भारत में इथेनॉल मिलाने की रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए, एचपीसीएल ने 6 फरवरी, 2023 को पूरे देश में 23 रिटेल आउटलेट्स (आरओ) पर सफलतापूर्वक ई20 ईंधन लॉन्च किया। 2025 तक 20त्र इथेनॉल मिलाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने और पूरे देश में ई20 आरओ नेटवर्क का विस्तार करने के लिए,एचपीसीएल ने ई20 आरओ की संख्या बढ़ाकर 350 कर दी है,जो उद्योग जगत की कंपनियों में सबसे अधिक है। ये ई20 आरओ योजनाबद्ध तरीके से देश के 21 राज्यों में फैले हुए हैं।

डब्ल्यूटीसी महा मुकाबला आज से, भारत और आस्ट्रेलिया दोनों तैयार

– लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा

लंदन (एजेंसी)। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया का सामना ऑस्ट्रेलिया से है। दोनों टीमों के बीच यह फाइनल मुकाबला बुधवार 7 जून से लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाना है। दोनों टीमों के खिलाड़ी ऐडी चोटी का जारे लगाने को तैयार है। आईसीसी ने फाइनल मैच के लिए रिजर्व-डे (12 जून) भी रखा है। यदि शुरुआती पांच दिनों में बारिश या अन्य कारणों से खेल खराब होने की स्थिति में इस रिजर्व-डे का उपयोग किया जाएगा। यदि पांचों दिन का खेल बिना किसी बाधा के पूरा होता है तो रिजर्व-डे का इस्तेमाल नहीं होगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-23 के प्वाइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 152 अंकों के साथ पहली और टीम इंडिया (127 अंक) ने दूसरी पोजिशन हासिल करके फाइनल में प्रवेश लिया है। वैसे भी दोनों टीमें एक तरीके से फाइनल में जगह बनाने की हकदार भी थीं क्योंकि आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया पहले और ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में उतरेगी, वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार फाइनल खेलने जा रही है। पिछले साल 2021 में साउथम्पटन में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

पिच की बात करें तो हाई स्कोरिंग पिच होने के बावजूद यहां गेंदबाजों को मदद मिल सकती है और यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि गेंदबाज आगे रहेंगे या बल्लेबाज, क्योंकि इंग्लैंड का मौसम हमेशा बदलता रहता है। दूसरे शब्दों में पिच गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों को मदद करती है। ऐसे में टॉस का नतीजा अहम होगा। वहीं अगर बात करें इस मैदान में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड बनाने वाली टीम का तो उसमे इंग्लैंड का नाम दर्ज है। जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 903 रन बनाए थे। पहली पारी का औसत स्?कोर 343 रन है। जबकि दूसरी पारी का औसत 304 रन है।

ओवल के मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड की बात करें तो भारत ने अब तक इस मैदान पर 14 टेस्ट मैच खेले है। जिसमें से सिर्फ 2 में जीत मिली है, वहीं 5 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा हैं और 7 मैच में कोई निर्णय नहीं निकला हैं। वहीं आस्ट्रेलिया की बात करें तो अब तक इस मैदान पर 38 टेस्ट मैच खेले है जिसमें से सिर्फ 7 में जीत मिली है, वहीं 17 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा हैं और 14 मैच में कोई निर्णय नहीं निकला हैं। ओवरऑल अभी तक भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 106 टेस्ट खेला गया है। जिसमें से भारत को 32 और आस्ट्रेलिया को 44 मैचों में जीत मिली हैं। वहीं 29 मैच ड्रॉ रहे और एक मैच टाई रहा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पेट कमिंस ने फाइनल के लिए पूरी टीम का नाम नहीं बताया, उन्होंने कहा कि बाकी टीम के मेकअप में कोई आश्चर्य नहीं है। बोलैंड का चयन उनके टेस्ट करियर के सर्वोच्च रिकॉर्ड के आधार पर है, उन्होंने अपने पहले सात मैचों में 13.42 की औसत से 28 विकेट लिए। वह ऑस्ट्रेलिया के अपेक्षित गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस, कैमरन ग्रीन, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन के साथ शामिल होंगे। उनका 13.42 का औसत 20वीं सदी की शुरुआत के बाद से कम से कम 1000 गेंदें डालने वाले किसी भी टेस्ट क्रिकेटर से सबसे कम है। कमिंस के हवाले से कहा गया है, हम हर किसी को थोड़ा अलग तरीके से गेंदबाजी करने में माहिर हैं। स्कॉट अच्छी लेंथ पर तेज गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज है, लेकिन वह जोशी हेजलवुड को थोड़ा अलग ऑफर देता है और स्टार्सी का बाएं हाथ का बल्लेबाज होना थोड़ा अलग है। उन्होंने कहा, इसलिए, मुझे नहीं लगता कि कोई पेकिंग ऑर्डर है। आप उन तीन लोगों के बारे में सोचते हैं जिन्हें आप बाहर जाकर खेलना चाहते हैं।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मुकाबले से पहले बयान देते हुए कहा कि वह खिताब जीतना चाहते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने कहा, हर कोई टीम को आगे ले जाना चाहता है। हर कोई खिताब जीतना चाहता है। हर कप्तान चैंपियनशिप जीतना चाहता है और मैं अलग नहीं हूं। अगले पांच दिन हमारे लिए महत्वपूर्ण होने वाले हैं। हमारे दिमाग में जो है उस पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। रोहित शर्मा ने कहा, हम टीम को लेकर भी काफी उत्साहित हैं। हमें पता है कि पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी क्या हुआ था। हम यहां पहले भी खेल चुके हैं।

बीट्रिज़ फ्रेंच ओपन टेनिस क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीली महिला बनी

पेरिस (एजेंसी)। ब्राजील की बीट्रिज़ हद्दाद मैया स्पेन की सारा सोरिबेस टोर्मो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी हैं। बीट्रिज ने इस मैच में एक बड़ा उलटफेर करते हुए तीन घंटे 51 मिनट चले सबसे लंबे और संघर्षपूर्ण महिला एकल मुकाबले में सारा को 6-7(3), 6-3, 7-5 से हराया। बीट्रिज़ इस जीत के साथ ही 55 साल में फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्राजीली महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले ब्राज़ील की मारिया बुएनो ने साल 1968 में फ्रेंच ओपन और विंबलडन के क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया था।

अब क्वार्टरफाइनल में बीट्रिज़ का सामना ट्यूनीशिया की ओन्स जब्योर से होगा। आन्स ने प्री-क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की बर्नांडा पेरा को 6-3, 6-1 से हराया। जब्योर ने एकतरफा मुकाबले में अपनी अमेरिकी प्रतिद्वंदी को केवल 63 मिनट में ही हरा दिया। दूसरी ओर पुरुष एकल में नॉर्वे के कैस्पर रूड ने चिली के निकोलस जैरी को 7-6(3), 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला करीब सवा तीन घंटे तक चला।

हाइब्रिड मॉडल विकल्प एसीसी देशों ने खारिज किया, एशिया कप का बहिष्कार कर सकता है पाक

शारजाह। (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से अब पाकिस्तान का बाहर होना तय है। इसका कारण है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) सदस्यों श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के प्रस्तावित 'हाइब्रिड मॉडल विकल्प को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान सितंबर में होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का मेजबान है पर भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से वहां जाने से इंकार कर दिया था। ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख नजम सेठी ने हाइब्रिड मॉडल का प्रस्ताव रखा था। इसके तहत भारत के मैच किसी अन्य देख में रखे जाते। अनुसार पाकिस्तान को एशिया कप के तीन या चार मुकाबले स्वदेश में कराने थे जबकि भारत के मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेले जा सकते थे। भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस विकल्प को इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि इसी प्रकार की मांग पीसीबी भारत में होने वाले विश्वकप में भी कर सकता है। अब श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाइब्रिड मॉडल को खारिज करने से पाक के एशिया कप से बाहर होने की संभावनाएं पक्की हो गयी हैं।

पीसीबी को अब पता है कि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया कप के लिए उसके हाइब्रिड मॉडल के प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर रहे। ऐसे में पीबीबी के पास अपना विरोध दर्ज करने का एकमात्र तरीका ये है कि वह इस टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दे।

साक्षी, विनेश, बजरंग बोले न्याय में नौकरी बाधा बनी तो तत्काल छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने कहा है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई होने तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। साथ ही कहा कि इस मामले में वे किभी भी प्रकार के दबाव में नहीं झुकेंगे और अगर नौकरी का डर दिखाया गया तो उसे भी छोड़ देंगे। वहीं प्रदर्शन कर रहे इन पहलवानों के अपनी नौकरी में वापसी जाने पर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया के जरिये तंज कसा था कि जो खिलाड़ी अपने पदक गंगा नदी में बहाने जा रहे थे, वे अपनी नौकरी छोड़ दें। इसपर बजरंग, साक्षी और विनेश ने कहा है कि ऐसा उनकी छवि खराब करने के लिए कहा जा रहा है। इस प्रकार के लोग चाहते है कि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई छोड़ दें। इन पहलवानों ने कहा जब जीवन ही दांव पर है, तब नौकरी तो क्या चीज है। इससे पहले यह भी कहा जा रहा था कि शीर्ष पहलवानों ने अपने को आंदोलन से अलग करते हुए अपनी नौकरियां फिर शुरु कर दी हैं। पहलवानों ने स्पष्टीकरण जारी किया कि उन्होंने रेलवे में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) के रूप में काम फिर से शुरू कर दिया है पर साथ ही अपना आंदोलन भी जारी रखा है।

उन्होंने कहा, जिन लोगों ने हमारे पदकों को 15-15 रुपये का बताया था, वे अब हमारी नौकरी के लिए लक्ष्य बना रहे हैं। जब जीवन दांव पर है, ऐसे में नौकरी एक छोटी सी चीज है। बजरंग, साक्षी और फोगट ने अपने ट्वीट में लिखा, नौकरी को अगर न्याय की राह में वह बाधा बनते देखेंगे तो उसे छोड़ने में दस सेकेंड भी नहीं लगायेंगे। इन पहलवानों ने इस बात का जोरदार खंडन किया कि उन्होंने अपना आंदोलन खत्म कर दिया है। बजरंग ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश भी डाला जिसमें लोगों से कहा गया कि अफवाहों और फर्जी दावों पर विश्वास न करें। उनका आंदोलन जारी है।

सिंधू और प्रणय सिंगापुर ओपन से बाहर, किदांबी श्रीकांत अगले राउंड में पहुंचे

सिंगापुर ओपन में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। भारत को थोड़ी खुशी किदांबी श्रीकांत ने दी। उन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरुष एकल के पहले दौर में थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन को सीधे गेम में 21-15 21-19 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो और चीनी ताइपे के चियो हाओ ली के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

आईपीएल की लय से आत्मविश्वास बढ़ेगा लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल पूरी तरह से अलग मैच : गिल

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शानदार फॉर्म ने भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले आत्मविश्वास बढ़ाया है लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह पांच दिवसीय मैच टी20 से पूरी तरह से अलग होगा। गिल इस साल आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए 60 की औसत से 890 रनों के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने इस दौरान तीन शतक भी लगाये थे। गिल ने आईसीसी से कहा, ''इससे आपको (आईपीएल से) थोड़ा आत्मविश्वास मिलता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से अलग मैच होगा।'' उन्होंने कहा, '' इस खेल को यही चीज मजेदार बनाती है। पिछले सप्ताह हम पूरी तरह से अलग माहौल में खेल रहे थे और अब नयी तरह की चुनौती होगी। यही चीज टेस्ट मैच को रोमांचक बनाती है।'' गिल 2021 में साउथेम्प्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले फाइनल में आठ विकेट से हार का सामना करने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने उस मैच में 28 और आठ रन बनाए थे। तेईस साल के इस कलात्मक बल्लेबाज ने कहा कि उस निराशाजनक हार से उनकी टीम ने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, ''हम उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो हमने एक टीम के रूप में सीखी हैं। हम उस मैच की बल्लेबाजी पर भी बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम पिछली बार की गई गलतियों को दूर करने में सक्षम होंगे।

पिछले 10 वर्षों में आईसीसी ट्रॉफी न जीत पाने का दबाव नहीं: द्रविड़

लंदन। (एजेंसी)। भारत ने भले ही पिछले 10 वर्षों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कि कोई ट्रॉफी नहीं जीती हो लेकिन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले उनकी टीम पर इसको लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है। पूर्व भारतीय कप्तान ने हालांकि कहा कि ट्रॉफी जीतना अच्छा होगा जिसके लिए टीम पिछले दो वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही है। भारत 2021 में डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया था जबकि आईसीसी के अन्य टूर्नामेंट में वह नॉकआउट चरण में हारता रहा है। द्रविड़ ने कहा,'' नहीं हम पर किसी तरह का दबाव नहीं है।

मेरे कहने का मतलब है कि आईसीसी ट्रॉफी जीतने का प्रयास करने का हम किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहे हैं। निश्चित तौर पर ट्रॉफी जीतना अच्छा होगा। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में सक्षम होना निश्चित तौर पर अच्छा होगा। लेकिन इस संदर्भ में आपको यह भी देखना होगा कि यह दो साल की कड़ी मेहनत का चरम है।'' उन्होंने कहा,'' कई सफलताएं हासिल करने के बाद ही आप यहां तक पहुंचते हैं। इसलिए हमारे पास कई सकारात्मक पहलू हैं। ऑस्ट्रेलिया से श्रृंखला जीतना, यहां श्रृंखला ड्रॉ कराना, हर जगह कड़ी प्रतिस्पर्धा करना जो इस टीम के पास है।'' द्रविड़ ने कहा,''यह चीजें केवल इसलिए नहीं बदल जाएंगी कि आपने आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है। यह वास्तव में बड़ी तस्वीर है।''

मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने में अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं और असफल होने पर उनका करियर भी समाप्त हो सकता है। द्रविड़ ने इस अनुभवी बल्लेबाज को भी सलाह दी। द्रविड़ ने कहा,'' यह अच्छा है कि वह टीम के साथ है। कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण उसे टीम में वापसी करने का मौका मिला। यह अच्छा है कि हमारे पास उस जैसा कुशल खिलाड़ी है। '' उन्होंने कहा,'' उसके आने से टीम में अनुभव का इजाफा हुआ है। वह विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करता रहा है और यहां तक कि इंग्लैंड में भी उसने कुछ शानदार पारियां खेली हैं।

उसकी अगुवाई में टीम ने कुछ अच्छी सफलताएं हासिल की हैं। मैं नहीं चाहता कि वह इसे एकमात्र अवसर के रूप में देखे।'' चेतेश्वर पुजारा ने हाल में काउंटी क्रिकेट में ढेरों रन बनाए और द्रविड़ ने कहा कि उनकी सलाह से टीम को काफी मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा,'' हमारी पुजारा के साथ कप्तानी और निश्चित तौर पर बल्लेबाजी को लेकर बात हुई। उसने ससेक्स की कप्तानी भी की और इसलिए उसे काउंटी में खेलने वाले गेंदबाजों की रणनीति की अच्छी समझ है। इसलिए हमने उसके साथ इस बारे में बातचीत की और देखते हैं कि उसकी सलाह पर हम कैसे अमल कर पाते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों को नई गेंद से बहकना नहीं चाहिए : अकरम

लंदन। पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर वसीम अकरम ने सोमवार को कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में नई गेंद हाथ में आने पर बहकना नहीं चाहिए और सफलता हासिल करने के लिए धैर्य बरतना चाहिए। विश्व की नंबर एक टीम भारत और दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया सात जून से ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे। अकरम को उम्मीद है कि मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जैसे भारतीय तेज गेंदबाज मैदान पर समझदारी भरी रणनीति अपनाएंगे। आईसीसी के अनुसार अकरम ने कहा,'' भारतीय गेंदबाज काफी अनुभवी है और उन्हें (नई गेंद हाथ में आने पर) बहकना नहीं चाहिए। हम सभी जानते हैं कि 10 से 15 ओवर तक गेंद स्विंग करती है इसलिए एक तेज गेंदबाज के रूप में पहले 10 से 15 ओवर में अतिरिक्त रन नहीं लुटाएं।'' उन्होंने कहा,'' यदि शुरुआत में थोड़ा उछाल मिलती है तो उत्साहित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई यही चाहते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ एक मात्र टेस्ट में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगे लिटन

मीरपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास को अफगानिस्तान के खिलाफ 14 जून से होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम का कप्तान बनाया है। बीसीबी ने लिटन की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की भी घोषणा की है। इस मैच के लिए अफगानिस्तान की टीम 10 जून को बंगलादेश पहुंचेगी। इस दौरान पांच-दिवसीय मैच मीरपुर के शेर-ए-बंगला स्टेडियम में खेला जाएगा।

लिटन ने पहले भी चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की है। टेस्ट प्रारूप में हालांकि वह पहली बार टीम की कप्तानी संभालेंगे। नियमित टेस्ट कप्तान शाकिब अल हसन आयरलैंड के खिलाफ मैच में चोटिल हो गये थे। इसी कारण लिटन को कप्तान बनाया गया है। इस मैच से तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद भी टीम में वापसी करेंगे। वह पिछले काफी समय से खिंचाव के कारण टीम से बाहर थे। इसके अलावा युवा बल्लेबाज शहादत हुसैन और गेंदबाज मुश्फिक हसन को भी टीम में जगह मिली है।

बंगलादेश टीम इस प्रकार है : लिटन दास (कप्तान), तमीम इकबाल, जाकिर हसन, नजमुल हुसैन शांतो, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन, तस्किन अहमद, शोरिफुल इस्लाम, महमूदुल हसन जॉय, शहादत हुसैन और मुश्फिक हसन।

भारत-पाक क्रिकेट टीमों के बीच इस साल कई मुकाबले खेले जाएंगे

मुम्बई। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबलों का हमेशा से ही प्रशंसकों को इंतजार रहता है हालांकि दोनो देशों के बीच तनाव के कारण इनके बीच द्विपक्षीय मुकाबले बंद हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें आईसीसी मुकाबलों में ही एकदूसरे का सामना करती नजर आती है। इस साल दोनो ही टीमों के बीच ही कई मुकाबले होने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। इसमें दोनो के ही बीच सबसे पहला मुकाबला हांगकांग में महिलाओं के एमर्जिंग एशिया कप के लीग राउंड में 17 जून को होगा। इसके बाद दोनों ग्रुप की शीर्ष-2 टीमें नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी। यहां भी भारत और पाक के बीच मुकाबला हो सकता है। इसके बाद पुरुष एकदिवसीय विश्वकप कप के मुकाबले अक्टूबर-नवंबर में भारत में होंगे। इसमें कुल 10 टीमें उतरेंगी। सभी टीम को लीग राउंड में विरोधी टीम से भिड़ना है। यहां भी भारत और पाकिस्तान के बीच यहां भी एक बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेला जाएगा। इस दौरान नॉकआउट राउंड में भी भारत-पाक के बीच मुकाबला हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारुपों की बात करें तो, भारत और पाक के बीच अब तक 203 मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 72 जबकि पाक टीम ने 88 मैच जीते हैं। वहीं एक मुकाबला टाई रहा जबकि 36 मुकाबले ड्रॉ रहे।

डब्लयूटीसी फाइनल में कई रिकार्ड बना सकते हैं विराट

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से यहां के ओवल मैदान में शुरु हो रहे भारत-ऑस्ट्रेलिया आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। इस मुकाबले में भारतीय टीम की बल्लेबाजी अनुभवी विराट कोहली पर आधारित रहेगी। विराट ने आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर अपना फार्म हासिल कर लिया है। विराट के पास इस मैच में एकसाथ कई रिकार्ड बनाने का अवसर है।

विराट को रिकार्ड वैसे भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट मैचों में उन्होंने 48.26 की औसत से 1,979 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 है। आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैचों में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन विराट के नाम हैं। विराट ने 15 नॉकआउट मैचों की 16 पारियों में 51.66 की औसत से 620 रन बनाए हैं। उन्होंने नॉकआउट मैचों में 96 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह अर्द्धशतक बनाए हैं। यदि वह बड़ा स्कोर बनाते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर के 14 नॉकआउट पारियों में एक शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 657 रन और रिकी पोंटिंग के 18 पारियों में तीन शतक और एक अर्धशतक के साथ 731 रन के रिकार्ड को तोड़ सकते हैं।

वहीं एक गेंदबाज के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट रन का रिकार्ड भारत के ही चेतेश्वर पुजारा के नाम है। उन्होंने नाथन लायन के खिलाफ कुल 570 रन बनाए हैं। वहीं विराट ने नाथन के खिलाफ 511 रन बनाये है ओर इस प्रकार इस मैच में उनके पास पुजारा का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है।

इसके अलावा इंग्लैंड में एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकार्ड अभी राहुल द्रविड़ के नाम हैं। इंग्लैंड में द्रविड़ ने 46 मैचों में कुल आठ शतक और 15 अर्द्धशतक की सहायता से 55.10 की औसत से 2,645 रन बनाए हैं। वहीं विराट के नाम 56 मैचों में 40.85 की औसत से 2,574 रन रन हैं ऐसे में उन्हें द्रविड़ से आगे निकलने के लिए केवल 72 रनों की जरुरत है।

इसके अलावा विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो और उपलब्धियां भी हासिल कर सकते हैं। उपलब्धियांस हासिल करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में विराट ने 24 मैचों में आठ शतक और पांच अर्द्धशतक के साथ 48.26 की औसत से 1,979 रन बनाए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 2,000 रन पूरे करने के लिए केवल 21 रनों की जरूरत है। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 मैचों में 50.97 की औसत से 4,945 रन बनाए हैं। ऐसे में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 55 और रन बनाने की जरूरत है।

धनुष ने जूनियर विश्व कप निशानेबाजी में स्वर्ण पर निशाना लगाया

सुहल । भारत के धनुष श्रीकांत ने जर्मनी के सुहल में जारी आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत को तीसरा स्वर्ण दिलाया है। श्रीकांत ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीत के साथ ही स्वर्ण पदक अपने नाम किया। धनुष ने इस दौरान 24 शॉट के फाइनल में 249.4 का स्कोर करके स्वीडन के रजत पदक विजेता पोंटस कालिन को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। धनुष ने क्वालिफिकेशन में 628.4 अंक हासिल कर छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी है। धनुष ने फाइनल में शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया तथा लगातार बढ़त बनाए रखी और अपने विरोध को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं फ्रांस के रोमेन औफ्रेरे को कांस्य पदक मिला। भारतीय निशानेबाजों ने स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक अपने नाम किया। हरमेहर लैली और संजना सूद ने शूटऑफ में स्वीडन के डेविड जानसन और फ़ेलिशिया रोस को हराकर यह कांस्य जीता। भारतीय टीम अब पदक तालिका में तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गयी है।

भूवैज्ञानिक समस्याओं को सुलझाने और संसाधन प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा मानव कल्याण के लिए सरकारी नीतियों को तैयार करने में प्रयुक्त अनिवार्य सूचना या डाटाबेस उपलज्ध कराते हैं। पृथ्वी और इसकी मिट्टियों, महासागर और वातावरण की जांच, मौसम के पूर्वानुमान, भूमि उपयोग योजनाओं का विकास आदि के काम में भी इनकी भूमिका होती है

12वीं के बाद से ही इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं

अर्थसाइंस से बनायें सुनहरा भविष्य

पृथ्वी के उद्गम, विकास और इसके अंदर और बाहर चलने वाली हलचलों को जानना खासा रोचक है। क्या अन्य ग्रहों पर कोई जीवन है, चंद्रमा, मंगल, बृहस्पति और अन्य ग्रहों पर क्या संसाधन उपलब्ध हैं, इनमें क्या बदलाव आ रहे हैं, सिकुड़ते ग्लेशियरों का महासागरों और जलवायु पर क्या प्रभाव पड़ रहा है- इस तरह की तमाम बातें और अनसुलझी पहेलियों के बारे में डाटा एकत्र करने का काम भूवैज्ञानिक करते हैं। उसका विश्लेषण करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश करते हैं। आज जब पूरे विश्व में धरती को लेकर तरह-तरह की खबरें आ रही हैं, तो इसे समझने और उसकी तह तक जाने के लिए ऐसे विशेषज्ञों की अच्छी खासी जरूरत पड़ रही है। दिल्ली विविद्यालय ने इस क्षेत्र में कुशल वैज्ञानिक और विशेषज्ञ की मांग को ध्यान में रखते हुए अर्थसाइंस का पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू किया है। मजे की बात यह कि एमएससी इन अर्थसाइंस नाम से प्रचारित इस कोर्स में प्रवेश का द्वार बारहवीं कक्षा के बाद ही खोला गया है। पांच साल के इस कोर्स को पूरा करने के बाद उद्योग जगत में सीधे करियर अपनाने या चुनने का मौका मिलता है।

क्या है कोर्स

इस कोर्स में पहले तीन साल स्नातक स्तर की पढ़ाई होती है। इसके बाद एमएससी में दाखिला मिलता है। इसमें अर्थ साइंस के विविध पहलुओं जैसे भूभौतिकी, जल विज्ञान, समुद्र विज्ञान, वातावरणीय विज्ञान, ग्रहीय विज्ञान, मौसम विज्ञान, पर्यावरणीय विज्ञान और मृदा विज्ञान को व्यापक तौर पर पढ़ने व समझने का मौका मिलता है। महाद्वीपों के खिसकने, पर्वतों के बनने, ज्वालामुखी फटने के क्या कारण हैं, नियंतण्र पर्यावरण किस तरह परिवर्तित हो रहा है, पृथ्वी पण्राली कैसे काम करती है, हमें औद्योगिक कचरे का निपटान कैसे और कहां करना चाहिए, भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए समाज की ऊर्जा और पानी की बढ़ती मांग को कैसे पूरा किया जा सकता है, जिस तरह विश्व की जनसंख्या बढ़ रही है क्या हम उसके लिए पर्याप्त खाद्य और रेशा तैयार कर सकते हैं तथा किस प्रकार खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं- ये तामम चीजें अर्थसाइंस के अध्ययन क्षेत्र में हैं। भूवैज्ञानिक समस्याओं को सुलझाने और संसाधन प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा मानव कल्याण के लिए सरकारी नीतियों को तैयार करने में प्रयुक्त अनिवार्य सूचना या डाटाबेस उपलब्ध कराते हैं। पृथ्वी और इसकी मिट्टियों, महासागरों और वातावरणों की जांच, मौसम के पूर्वानुमान, भूमि उपयोग योजनाओं का विकास आदि के काम में भी इनकी भूमिका होती है। कोर्स के दौरान खनन, तेल व प्राकृतिक गैस, भूजल, कोयला, जियो तकनीक, जीआइएस व रिमोट सेंसिंग, पर्यावरण अध्ययन, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन जैसे कई क्षेत्रों को जानने और समझने का अवसर दिया जाता है। इनसे जुड़े क्षेत्रों में से एक को आगे चलकर स्पेशलाइजेशन चुनना होता है। यह काम एमएससी स्तर पर होता है। एमएससी में अगर चार पेपर थ्योरी के हैं। इसके अलावा कई पेपर वैकल्पिक हैं जिसमें से छात्र किसी एक विकल्प को चुनकर अपना करियर बना सकता है।

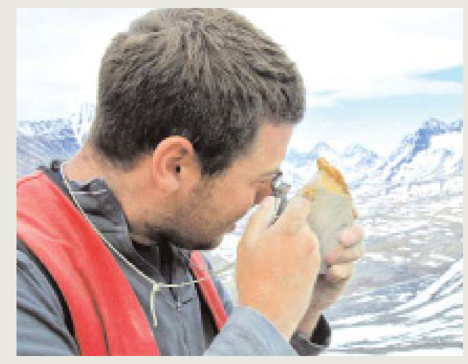

कोर्स कराने वाले संस्थान

- दिल्ली विविद्यालय, हंसराज कॉलेज
- आईआईटी, खडगपुर और रुड़की
- पांडिचेरी यूनिवसिटी, पुडुचेरी
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद,
- सेंटल यूनिवर्सिटी, हरियाणा, महेन्द्रगढ़

कोर्स के दौरान छात्रों को दो तरह की ट्रेनिंग भी दी जाती है। पहले स्तर पर हर साल छात्रों को फील्ड ट्रिप पर भेजा जाता है। एमएससी स्तर पर समर ट्रेनिंग और समर इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के अलावा डिजर्टेशन का काम पूरा करना होता है। यहां फील्ड वर्क का बहुत विकल्प है।

शाखाएं : अर्थ साइंस की कई शाखाएं हैं। इनमें पर्यावरण अध्ययन, माइनिंग, जियोटेक्नोलॉ जी, एटमॉस्फोरिक साइंस, जियोहै जर्डस, डिजास्टर मैनेजमेंट, क्लाइमेट परिवर्तन, ओशनोग्राफी, रिमोट सेंसिंग, एप्लायड हाइड्रोजियोलॉजी, काटरेग्राफी और जियोग्राफिक इंफोम्रेशन सिस्टम आदि प्रमुख हैं।

अवसर कहां : कोर्स के छात्र के लिए राज्य और केंद्र सरकार में जियोलॉजिस्ट बनने के कई अवसर हैं। एमएससी पास छात्रों के लिए जियोलॉजिकल सव्रे ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जियोलॉजिस्ट की भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की जाती है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड भी इस कोर्स के छात्रों को काम करने का अवसर मुहैया कराता है। इसमें हाइड्रोजियोलॉजिस्ट के रूप में उसी स्केल पर नियुक्ति होती है जिस स्केल पर जियोलॉजिस्ट की। इनके अलावा पीएचडी करने के बाद साइंटिस्ट पद पर भर्ती होती है। ये सभी पद ग्रेड ए स्तर के अधिकारी की है। रिसर्च संस्थाओं के अलावा आजकल निजी कंपनियों में एक्जीक्यूटिव के रूप में भी क्लास वन पद पर इसके विशेषज्ञ रखे जा रहे हैं। ओएनजीसी, वेदांता, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, इएसएसआर, केर्न इंडिया जैसी कई कंपनियां हैं जहां इनकी मांग हैं। पीएचडी करने वालों के लिए रिसर्च एसोसिएट और अध्यापन के भी मौके हैं। इसके अलावा इनकी मांग देश में जहां पेयजल के लिए काम हो रहा है या फिर सीमेंट, माइनिंग आदि के कामों में इस कोर्स के छात्रों की मांग है।

दाखिला कैसे

इस कोर्स में आमतौर पर बारहवीं की मेरिट के आधार पर दाखिला दिया जाता है। साइंस के छात्र के लिए बारहवीं में भौतिकी, गणित और रसायनशास्त्र पढ़ा होना जरूरी है तभी उसे दाखिला दिया जाता है। अगर किसी ने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास की है, तो उससे भी दाखिले का रास्ता खुलता है।

वेतन: इस कोर्स के छात्रों को रिसर्च संस्थान 35 से लेकर 40 हजार तक के पैकेज पर हायर करते हैं। निजी क्षेत्रों में युवाओं की सैलरी स्किल को देखते हुए तय की जाती है। जियोलॉजिस्ट का वेतनमान भी 40 हजार रुपये से 50 हजार रुपये है। कॉलेज शिक्षण और रिसर्च एसोसिएट के रूप में वेतनमान शुरुआती तौर पर 50 से 60 हजार रुपये हैं।

कैसे सुधारें कम्युनिकेशन स्किल्स

हर किसी की पहचान उसकी पर्सनालिटी से होती है। पर्सनालिटी डेवलप होती है अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स से। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स जहां जीवन भर काम आती है, वहीं अच्छे न होने से कई बढ़िया मौके हाथ से निकल भी जाते हैं। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी ही नहीं, बल्कि प्रोफेशनल जिंदगी भी बेहतर बनाती है। इसके लिए सबसे पहले अपनी टोन पर ध्यान दें। ज्यादा तेज आवाज में कभी बात न करें। अगर जल्दी- जल्दी बात करने की आदत है, तो इस पर काबू पाएं। एक अच्छी बात भी तेज आवाज में कहेंगे तो उसका महत्व कम होगा। इसी तरह ज्यादा जल्दी भी न बोलें। कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर बनाने के लिए आप अपना सोशल सर्कल विकसित करें। ज्यादा लोगों से बातचीत करने पर बातचीत का ढंग खुद ही सुधर जाता है। अटक-अटक कर बातचीत करने वालों में आत्मविास की कमी होती है। अगर आप भी अटक-अटक कर बोलते हैं या उच्चारण ठीक नहीं होता, तो अभ्यास से इसे ठीक किया जा सकता है। बातचीत करते समय एक बात का अवश्य ध्यान रखें। अक्सर हम 'हां' या 'न' में मांगे गए सवाल का सिर हिला कर या मुंह से आवाज निकाल कर जवाब देते हैं, यह ठीक नहीं।

बीतचीत के दौरान इन बातों का ध्यान रखें

किसी की आलाचना न करें- जहां तक हो सके दूसरों की बुराई से दूर रहना चाहिए। अगर यह आदत टीनएज में पड़ गई तो फिर इससे छुटकारा मुश्किल है। आपने देखा होगा कि कुछ लोग हर समय दूसरों की बुराई ही करते रहते हैं। उनके बारे में किसी की भी राय अच्छी नहीं होती। अगर किसी को नापसंद करते भी हों, तो जताने की जरूरत नहीं।

दूसरों की कमियों नहीं गुण देखिए- हर इंसान में कुछ कमियां ओर कुछ गुण होते हैं। हर समय कमी निकालना उचित नहीं। जितनी ज्यादा कमियां देखोगे, उससे कहीं ज्यादा निकलेंगी। कुछ लोगों की आदत होती है, हर किसी को सलाह देने की। अगर आप भी ऐसे ही हैं तो तुरंत छोड़िए, इस आदत को।

प्रशंसा करना- भला तारीफ किसे नहीं सुहाती। हम अपनी हर स्पेशल तारीफ याद रखते है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स वाला व्यक्ति सही समय पर तारीफ जरूर करता है।

किसी की नकल न करें- कभी-भी किसी स्टार, मॉडल के लहजे में बात न ही करें तो बेहतर होगा। क्या फायदा, अगर सामने वाला भी तुरंत उसी लहजे में जवाब दें। आप खुद का स्टाइल विकसित करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंग्रेजी को इंप्रूव जरूर किया जाए, रोज अंग्रेजी न्यूज पेपर, न्यूज या स्टोरी सुनें या पढ़ें। हर दिन 5 नए शब्द याद करें। हिंदी और अंग्रेजी बोलने का तरीका अलग है। आपने नोट किया होगा। गैर इं ग्लिश मीडियम के स्टूडेंट ज्यादा प्रभावशाली अंग्रेजी नहीं बोल पाते। लेकिन स्पीकिंग कोर्स भी अभ्यास के बगैर लाभदायक नहीं होंगे। शुरुआत में धाराप्रवाह बोलने में कुछ परेशानी होगी, पर कोशिश करने से धीरे-धीरे आपको अभ्यास हो जाएगा। बातचीत करते समय हिलडुल कर या नर्वस होकर मत बोलिए, आंखों में आखें डाल कर आत्मविास से बातचीत करिए, स्पष्ट उच्चारण के साथ। दूसरों को भी अपनी बात कहने का मौका दें। बातचीत के दौरान कभी अपने अहंकार को सामने न लाएं, वरना सारा मामला चौपट हो जाएगा। अच्छी सी स्माइल चेहरे पर रखें, क्योंकि विनोदप्रिय लोगों को सभी पसंद करते हैं। अपनी बातचीत में फूहड़ता कभी गलती से भी न लाएं। बड़ों से बातचीत करने का तरीका और लहजा अलग होता है। नम्र, शिष्ट और शालीन आवाज में बात करें। इंटरव्यू में और दफ्तर में अपनी बात नपी-तुली भाषा में रखें। वैसे दोस्तों के साथ फनी औ र सिंपल लैंग्वेज ही इस्तेमाल करें, वरना वह आप से ऊब जाएंगे। बहुत से लोग अच्छे सेंस ऑफ ह्यूमर वाले व्यक्तियों की तरफ आकर्षित होते हैं। वे चाहते हैं हम भी ऐसे ही हों। इसके लिए अधिक से अधिक लोगों से बातचीत करें, बगैर किसी को चोट पहुंचाए। बातचीत का वातावरण हल्का-फुल्का रखें। आप पाएंगे कि धीर-धीरे ऐसी शैली आप में भी विकसित हो रही है। कभी-भी बहस न करें। अनावश्यक टिप्पणी करने से भी बचें। अगर टीनएज में हमें बहस करने की आदत पड़ जाए तो सोशल सर्कल में बातचीत करते समय नुकसानदायक हो सकती है। हम में से बहुत से लोग बातचीत करते समय 'यू नो', 'व्हाट ए जोक', जैसे तकियाकलाम इस्तेमाल करते हैं, जो इंटरव्यू वगैरह में अवश्य ही हानि पहुंचाते हैं। इसलिए तकिया कलाम की आदत अवश्य छोड़ दें। अगर आप इन सब बातों की तरफ गौर करें तो पाएंगे कि आप की कम्युनिकेशन स्किल्स पहले से बेहतर हो गई है।

कारपेट इंडस्ट्री धागों से सजाएं भविष्य

कारपेट के पारंपरिक काम में अब सॉफ्टवेयर और मशीनों का इस्तेमाल शुरू हो जाने से इस इंडस्ट्री में रोजगार की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस इंडस्ट्री को विकसित करने के लिए भारत सरकार भी प्रयास कर रही है। ग्लोबल मार्केट में आज 36 प्रतिशत अकेले भारत का कब्जा है।

ईरान के कालीन दुनियाभर में मशहूर हैं। ईरान में आज भी कालीन की बुनाई का काम कारीगर स्वयं करते हैं, यही कारण है कि ईरान के कालीन न सिर्फ महंगे हैं, बल्कि देखने में खूबसूरत भी लगते हैं। वहीं भारत में कश्मीर का नाम कालीन उद्योग में सबसे ऊपर है। लेकिन टेक्नोलॉजी ने इस पारंपरिक उद्योग में भी अपनी जगह बना ली है। अब कालीन के काम में सॉफ्टवेयर और मशीन की भी मदद ली जाने लगी है। हाथ से तैयार किए गए कालीन और मशीनों से तैयार किए गए कालीनों में अंतर भी साफ देखने को मिल जाते हैं। लेकिन हाथ से बनाए गए कालीन महंगे होने के कारण कस्टमर मशीन से तैयार की गई सस्ती कालीन ज्यादा पसंद करते हैं । इसकी डिमांड में भी तेजी से वृद्धि हुई है। मार्केट में हिस्से दारी बढ़ने से आज कालीन उद्योग में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। यू निवर्सिटी स्तर पर कारपेट इंडस्ट्री के लिए अलग से मैनेजमेंट कोर्स भी शुरू किया गया है।

डिमांड

आलम यह है कि पूरे विश्व में लाखों कारीगर रात-दिन काम कर कालीन को लोगों की पसंद और जरूरत के हिसाब से तैयार करने में लगे हुए हैं। कश्मीर के अलावा भारत के अन्य राज्यों की बात करें तो राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात में भी उम्दा किस्म व डिजाइन के कालीन तैयार किए जाते हैं। इसका निर्यात आज बड़े पैमाने पर हो रहा है। भारत में तैयार किए गए कालीन का ग्लोबल मार्केट में 36 प्रतिशत तक का कब्जा है।

मार्केट प्रमोशन

कालीन की कई किस्में हैं। हाथ से बने ऊनी कालीन, सिल्क से बने कालीन, सिंथेटिक कालीन, हाथ से बनी ऊनी दरियां- इन सबकी बाजार में भारी मांग है। कालीन के निर्यात के बड़े शेयर को देखते हुए भारत सरकार ने कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया बना रखी है। यह भारतीय निर्यातकों को बाजार की पहचान करने से लेकर वित्तीय सहायता प्रदान करने तक में मदद देती है। कारपेट इंडस्ट्री के विकास, निर्यात, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही उनके लिए आमदनी का स्रेत कैसे मुहैया हो, इसके लिए यूएनडीपी, आईआई टी-दिल्ली, निफ्ट, वुड रिसर्च एसोसिएशन, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी, कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल हथकरघा उद्योग खासकर कारपेट उद्योग की उन्नति कैसे हो, इस पर जोर दे रहे हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी ने हाल में एक डिजाइन स्टूडियो का गठन किया है, जिसकी मदद से कारपेट के बुनने, उसके रंग कंबीनेशन के लिए सीएडी सिस्टम भी लगाए गए हैं, ताकि उच्चकोटि का कारपेट तैयार किया जा सके। कालीन बनाने वाले परंपरागत कारीगरों का भी खास ध्यान रखा जा रहा है। लेकिन बिना किसी पृष्ठभूमि के लोग भी इस इंडस्ट्री में आ रहे हैं। आज इंस्टीटयूट में इसकी अलग से पढ़ाई भी होने लगी है। एक बेहतरीन कालीन तैयार करने के लिए सॉफ्टवेयर और मशीनों की मदद ली जा रही है। इंजीनियरिंग के दायरे में इसकी पूरी पढ़ाई हो रही है और छात्र अपना उज्ज्वल भविष्य इस इंडस्ट्री में देख रहे हैं।

योग्यता

बी टेक इन कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में दाखिले के लिए किसी मान्यता प्राप्त इंस्टीटयूट या कॉलेज से 12वीं पास होना अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी के विषय में भौतिकी एवं गणित अनिवार्य रूप से शामिल होना चाहिए। गणित और भौतिकी के छात्र ही बीई एवं बीटेक कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं।

अवसर

कारपेट टेक्नोलॉजी में डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद टे क्सटाइल डिजाइनिंग, मैनेजमेंट, रिसर्च एंड डेवलपमें ट,क्वालिटी कंट्रोल, इं जीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, ग्राफिक डिजाइन एंड विजुअल कम्युनिकेशंस आदि फील्ड में करियर बना सकते हैं।

कोर्स

बी-टेक (कारपेट एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी) के अलावा डिप्लोमा इन कारपेट टेक्नोलॉजी कोर्स कर सकते हैं। एआईईईई का एडमिशन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड द्वारा आयोजित किया जाता है।

जासूसी के आरोपी एफबीआई एजेंट रॉबर्ट हैंसेन की जेल में मौत

वाशिंगटन ।रूस के लिए जासूसी करने के जुर्म में दोषी ठहराए गए एफबीआई के पूर्व एजेंट रॉबर्ट हैंसेन की जेल में मौत हो गई।वह 79 वर्ष का था।संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अनुसार, उसने 1985 में रूस को राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी गोपनीय जानकारियां देना शुरू कीं और 16 वर्षों तक इस काम को अंजाम देता रहा।बदले में उसे 14 करोड़ डॉलर से अधिक की नकदी और हीरे आदि मिले। कारागार के अधिकारियों ने बताया कि रॉबर्ट हैंसेन कोलोराडो के फ्लोरेंस में एक संघीय जेल में अपनी कोठरी में बेसुध मिला और बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया।एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि हैंसेन की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई।हैंसेन 2001 में जासूसी और अन्य आरोपों से जुड़े 15 मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद बिना पैरोल के जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था।कारागार ब्यूरो के अनुसार, एफबीआई को हैंसेन की मौत की सूचना दे दी गई है।वह जुलाई 2002 से कोलोराडो की जेल में बंद था।

एक्सबॉक्स में बच्चों का डेटा स्टोर करने पर माइक्रोसॉफ्ट देगी 2 करोड़ डॉलर का जुर्माना

सैन फ्रांसिस्को ।माइक्रोसॉफ्ट एक्सबॉक्स गेमिंग सिस्टम में साइन अप करने वाले बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र कर गोपनीयता का उल्लंघन करने के आरोप में 20 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी।यूएस फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) ने घोषणा की है। इसमें टेक जायंट पर बच्चों के ऑनलाइन गोपनीयता संरक्षण अधिनियम (सीओपीपीए) का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, जिन्होंने अपने माता-पिता को सूचित किए बिना या उनकी सहमति प्राप्त किए बिना और बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी को अवैध रूप से एक्सबॉक्स गेमिंग सिस्टम पर साइन अप किया।एफटीसी के उपभोक्ता संरक्षण ब्यूरो के निदेशक सैमुअल लेविन ने कहा, इस कार्रवाई से यह पूरी तरह से स्पष्ट हो जाना चाहिए कि बच्चों के अवतार, बायोमेट्रिक डेटा और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को कोप्पा (चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट) से छूट नहीं है।साथ ही यह भी कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट को अपने एक्सबॉक्स सिस्टम के चाइल्ड यूजर्स के लिए गोपनीयता सुरक्षा बढ़ाने के लिए कदम उठाने की भी आवश्यकता होगी।उदाहरण के लिए, आदेश कोप्पा सुरक्षा को थर्ड पार्टी गेमिंग पब्लिशर तक विस्तारित करेगा जिनके साथ माइक्रोसॉफ्ट बच्चों के डेटा साझा करता है।इसके अलावा, आदेश स्पष्ट करता है कि बच्चे की इमेज से उत्पन्न अवतार, और बायोमेट्रिक और स्वास्थ्य जानकारी, अन्य व्यक्तिगत डेटा के साथ एकत्र किए जाने पर कोप्पा नियम लागू होते हैं।जिसके तहत 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए निर्देशित ऑनलाइन सर्विस और वेबसाइटों के लिए माता-पिता को उनके द्वारा एकत्र की गई व्यक्तिगत जानकारी के बारे में सूचित करना और बच्चों से एकत्र की गई किसी भी व्यक्तिगत जानकारी का उपयोग करने से पहले सत्यापन योग्य माता-पिता की सहमति प्राप्त करना आवश्यक है।

टीवी का इलाज नहीं कराने पर महिला रोगी को किया गिरफ्तार

वाशिंगटन ।वाशिंगटन शहर में टीवी का इलाज नहीं कराने पर, एक महिला रोगी को गिरफ्तार किया गया है।महिला को 1 साल पहले टीवी की बीमारी होने का पता चला था।लेकिन महिला ने इलाज कराने से मना कर दिया।इस मामले की सुनवाई सिविल कोर्ट में हो रही थी।सुनवाई के दौरान भी महिला ने इलाज नहीं करवाया।इस मामले में कोर्ट ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने, और अलग सेल में रखने के आदेश दिए हैं।

चार बच्चों की हत्यारिन मां को 20 साल बाद जेल से किया रिहा

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 20 साल से सजा काट रही चार बच्चों की कथित हत्यारिन मां को छमा करते हुए जेल से रिहा कर दिया है।जानकारी के अनुसार एक ऑस्ट्रेलियाई मां को साल 2003 मेंअपने 4 छोटे बच्चों की हत्या करने के आरोप में सजा सुनाई गई थी।कैथलीन फोल्बिग नामक महिला को सजा के बाद से वह 20 साल से जेल में बंद थी।लेकिन अब पिछले साल मई में शुरू हुई जांच एक साल तक चली जिसके बाद अब उसे उचित संदेह के चलते क्षमा कर दिया गया है।अधिकारियों ने कहा कि हाई-प्रोफाइल मामले की जांच के बाद अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ और कई तथ्य सामने आए हैं।इसके आधार पर महिला को क्षमा किया गया है।गौरतलब है कि कैथलीन फोल्बिग को 'ऑस्ट्रेलिया की सबसे खराब महिला सीरियल किलर' करार दिया गया था, जब उसको 2003 में कथित तौर पर अपने 3 बच्चों की हत्या और चौथे की हत्या करने का दोषी ठहराया गया था।अभियोजकों ने तर्क दिया था कि बच्चों का दम घोट द?िया होगा जिनकी मृत्यु नौ सप्ताह और तीन वर्ष की आयु के बीच हुई थी। लेकिन फोल्बिग ने दृढ़ता से प्रत्येक की मृत्यु को प्राकृतिक कारण बताया।इस बीच देखा जाए तो साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया और विदेशों के दर्जनों वैज्ञानिकों ने फोल्बिग की रिहाई के लिए एक याचिका पर हस्ताक्षर भी किए थे जिसमें कहा गया कि नए फोरेंसिक सबूतों से पता चलता है कि अस्पष्टीकृत मौतें वास्तव में दुर्लभ आनुवंशिक परिवर्तन या जन्मजात असामान्यताओं से जुड़ी थीं। अब फोल्बिग के लिए न्याय देखकर सभी को राहत मिली है।

धीरे-धीरे आसमान में तारे दिखना हो जाएंगे बंद -इसके लिए इंसान कितने होंगे जिम्मेदार?

लंदन ।वैज्ञानिकों की माने तो धीरे-धीरे हमें आसमान में तारे दिखना पूरी तरह से बंद हो जाएंगे ।जानते हैं कि इसकी क्या वजह होगी? इसके लिए इंसान कितने जिम्मेदार होंगे? क्या इसके लिए किसी तरह का प्रदूषण जिम्मेदार होगा? जानते हैं इन सवालों के जवाब ।बचपन में हमें आसमान की तरफ इशारा करके एकसाथ दिखते सप्तर्षि, सबसे ज्यादा चमकदार बृहस्पति और कभी अपनी जगह नहीं बदलने वाले ध्रुव तारे के बारे में बताया जाता था।लेकिन, शायद हम अपनी आने वाली पीढ़ी को ऐसा कुछ भी नहीं दिखा पाएंगे ।दरअसल, वैज्ञानिकों का कहना है कि महज दो दशक के भीतर आसमान में तारे दिखने बंद हो जाएंगे ।हालात अभी से बिगड़ने लगे हैं, क्योंकि अभी से काफी तारे आसमान में नहीं दिखते हैं ।वैज्ञानिकों ने बताया है कि आखिर क्यों अगले दो दशक में तारे गायब हो जाएंगे?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश एस्ट्रोनोमर मार्टिन रीस ने दावा किया है कि लाइट पॉल्यूशन के कारण पिछले कई साल से तारे दिखने कम हो गए हैं ।उनके मुताबिक, एलईडी और लाइट के दूसरे सोर्सेज के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारा आकाश आर्टफिशियल लाइट से जगमगा रहा है ।उनका कहना है कि अगर हम लगातार ऐसा ही करते रहे तो ये हमारे लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन जाएगा ।रीस का कहना है कि लाइट पॉल्यूशन के कारण हमारी अगली पीढ़ी तारे नहीं देख पाएंगी ।जर्मन सेंटर फॉर जियोसाइसेंस के क्रिस्टोफर कबा के मुताबिक, टिमटिमाते तारों से जगमगाता आसमान धीरे-धीरे दुर्लभ होता जा रहा है ।कबा ने इसकी गंभीरता को समझाने के लिए कुछ आंकड़ों का सहारा भी लिया है।उन?होंने कहा कि अगर आज कोई बच?चा ऐसी जगह पैदा होता है, जहां के आसमान में 500 तारे दिखते हैं तो अब से 18 साल बाद वहां केवल 200 तारे ही दिखाई देंगे ।अब ये समझते हैं कि ये लाइट पॉल्यूशन होता क्या है? वैज्ञानिकों के मुताबिक, हमारी बनाई कृत्रिम रोशनी ही लाइट पॉल्यूशन है ।इसके बहुत ज?यादा इस्तेमाल से रात की प्राकृतिक रोशनी धीमी पड़ती जा रही है ।हमारी बनाई तमाम लाइट्स में से ग्लेयर लाइट पॉल्यूशन सबसे ज्यादा खतरनाक है ।इससे आंखों चौंधियां जाती हैं ।फिर जब रोशनी धीमी होती है तो अंधेरा महसूस होने लगता है।

बड़े शहरों में कृत्रिम रोशनी से आसमान का जगमगाना, बिना जरूरत वाली जगहों पर भी कई-कई लाइट्स इस पॉल्यूशन को बढ़ाते हैं।शोधकर्ताओं का कहना है कि बहुत ज्यादा कृत्रिम रोशनी के कारण हमें नेचुरल और आर्टिफिशयल लाइट में फर्क महसूस नहीं हो पाता है। वर्ल्ड एटलस ऑफ आर्टिफिशियल नाइट स्काई की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 80 फीसदी आबादी स्काईगो पॉल्यूशन से जूझ रही है।

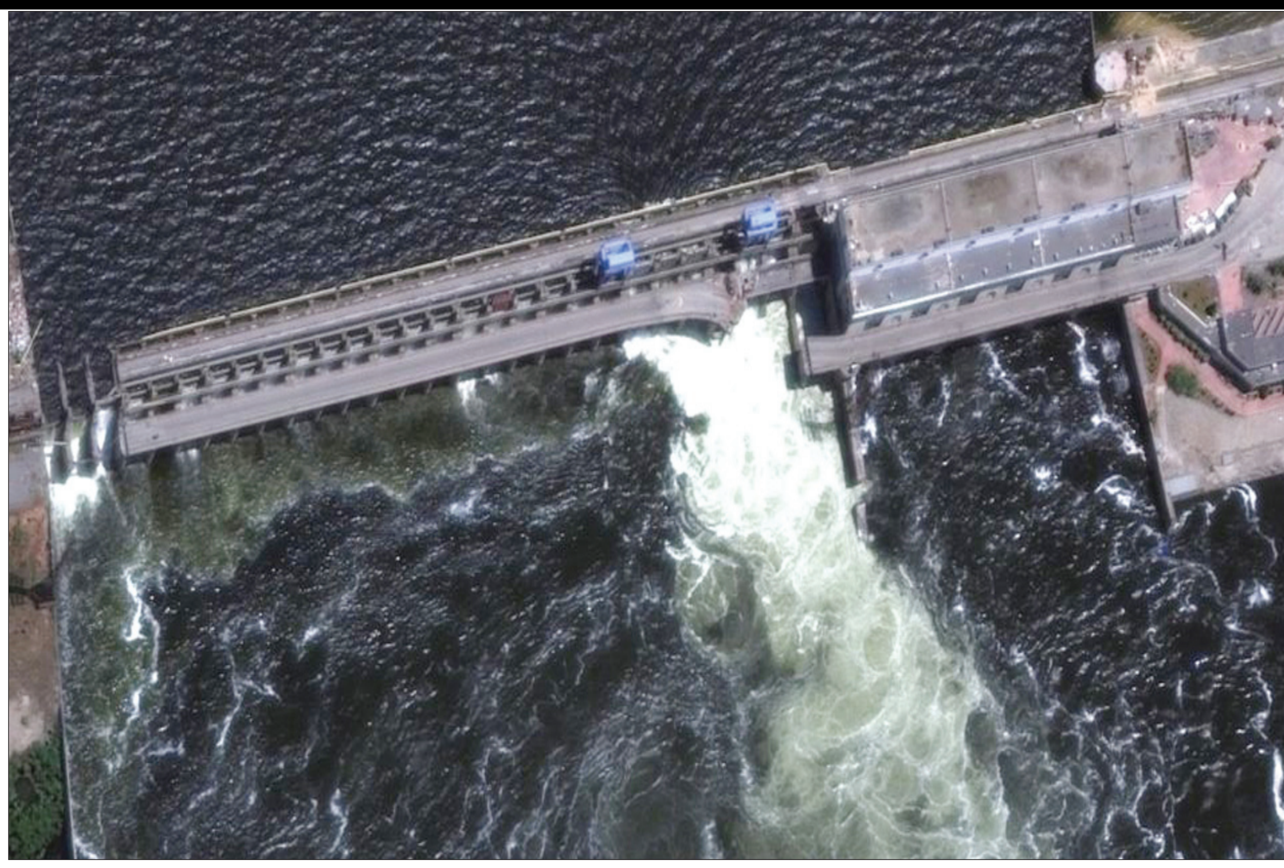

दक्षिण यूक्रेन के रुस नियंत्रित इलाके में सोवियत संघ के जमाने में बने एक डेम में हुए धमाके के बाद बाढ़ आ गयी। इसके लिए दोनो ने ही एक दूसरे की सेनाओं को दोष दिया है।

माइक पेंस ने बढ़ा दी ट्रंप की मुश्किलें, राष्ट्रपति के लिए लडेंगे चुनाव

वाशिंगटन ।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी और वाइस प्रेसीडेंट के तौर पर काम कर चुके माइक पेंस ने अगले साल राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार की रेस में शामिल होने की घोषणा की है। इससे डोनाल्ड ट्रंप मुश्किल में हैं। क्योंकि पेंस ने इस तरह अपने पहले बॉस रहे ट्रम्प को चुनौती देने का ऐलान कर दिया है। पेंस ने संघीय चुनाव आयोग के पास जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी की। पेंस बुधवार को अपने 64वें जन्मदिन पर आयोवा में एक वीडियो और प्रोग्राम के साथ रिपब्लिकन उम्मीदवार की होड़ में उतरने का औपचारिक रूप से ऐलान करेंगे। पूर्व कांग्रेस सदस्य और इंडियाना के गवर्नर रह चुके माइक पेंस एक रूढ़िवादी शख्स हैं। अब वे डोनाल्ड ट्रम्प से एक सीधी टक्कर लेने के लिए सामने आ चुके हैं। लंबे समय से माइक पेंस के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन उन्होंने पहले कभी इस तरह से रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की दौड़ में खुद को शामिल नहीं किया था। जब ट्रम्प ने उन्हें 2016 में अपने चुनाव में वाइस प्रेसीडेंट के उम्मीदवार के रूप में चुना था तब माइक पेंस इंडियाना के गवर्नर थे। ट्रम्प के इस कदम को सामाजिक रूप से रूढ़िवादी मतदाताओं का भरोसा जीतने की कोशिश के रूप में देखा गया। जो न्यूयॉर्क के बिजनेस टाइकून ट्रम्प की उम्मीदवारी से चिंतित थे। बहरहाल डोनाल्ड ट्रम्प के विवादों और हरकतों ने जल्द ही पेंस के धीरज को खत्म कर दिया। पेंस ने कथित तौर पर कई बार पद छोड़ने पर विचार किया।

जीवंत लोकतंत्र को देखना है तो दिल्ली जाइए और खुद देखिए : किर्बी

-भारत में लोकतंत्र पर सवाल उठाने वालों को अमेरिका का करारा जवाब

वॉशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस ने कहा है कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जिसे देखना है तो दिल्ली जाइये और खुद देखिए। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने कहा कि जो कोई भी नई दिल्ली जाता है, वह खुद इसे देख सकता है, महसूस कर सकता है। जानकारी बता रहे हैं कि किर्बी के इस बयान के जरिए अमेरिका ने उन सभी आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में अमेरिका की राजकीय यात्रा पर होंगे। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के रणनीतिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, कि मोदी जब अमेरिका पहुंचेंगे तो निश्चित रूप से, मैं उम्मीद करता हूं कि लोकतांत्रिक संस्थानों की ताकत और इसकी हालत चर्चा का हिस्सा होगी।'

किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'देखिए, हम कभी संकोच नहीं करते। और आप दोस्तों के साथ ही ऐसा कर सकते हैं। आपको दोस्तों के साथ ऐसा करना चाहिए। आप कभी भी उन चिंताओं को जाहिर करने से नहीं कतराते हैं जो हम दुनिया भर में किसी के साथ हो सकते हैं।

पीएम मोदी की प्रस्तिवित अमेरिका यात्रा पर किर्बी ने कहा लेकिन यह राजकीय यात्रा है, वास्तव में अब जो है उसे आगे बढ़ाने के बारे में हम जो उम्मीद करते हैं वह एक गहरी, मजबूत साझेदारी और दोस्ती होगी। समन्वयक किर्बी ने कहा कि भारत कई स्तरों पर अमेरिका का मजबूत साझेदार है। उन्होंने कहा, 'आपने देखा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने अब कुछ अतिरिक्त रक्षा सहयोग की घोषणा की है जिसे हम भारत के साथ आगे बढ़ाने जा रहे हैं। बेशक, हमारे दोनों देशों के बीच बहुत अधिक आर्थिक व्यापार है। भारत एक पैसिफिक क्वाड का सदस्य और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा के संबंध में अमेरिका का एक प्रमुख दोस्त और भागीदार है।

समन्वयक किर्बी ने कहा तो यहां तक कहा कि मैं और आगे भी जा सकता था। क्योंकि ऐसे कई कारण हैं कि जिनके आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत निश्चित रूप से हमारे दोनों देशों के बीच न केवल द्विपक्षीय रूप से, बल्कि बहुपक्षीय रूप से कई स्तरों पर मायने रखता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रधानमंत्री मोदी के यहां आने की बहुत उम्मीद कर रहे हैं, उन सभी मुद्दों पर बात करने के लिए और उस साझेदारी व दोस्ती को आगे बढ़ाने और उसे गहरा करने के लिए उनका इंतजार है।

इजरायल की बदली किस्मत, प्राकृतिक गैस और तेल का मिला अकूत भंडार

तेल अवीव (एजेंसी)। भारत के दोस्त इजरायल को समंदर में प्राकृतिक गैस और तेल का अकूत भंडार मिला है। जो कि उसकी किस?मत को बदलकर रख देगा। देश के ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर मंत्रालय और ग्रीक-ब्रिटिश हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन और उत्पादन कंपनी एनर्जियन ने ऐलान किया है कि देश में प्राकृतिक गैस और तेल का अकूत भंडार मिला है। पिछले दिनों हुए इस आधिकारिक ऐलान ने इजरायल की किस्मत बदल दी है। जिस क्षेत्र पर प्राकृतिक गैस क्षेत्र की खोज हुई उसे कैटलन नाम दिया गया है जिसे हिब्रू में ओर्का के तौर पर जाना जाता है। ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि यह साल 2015 के बाद से इजरायल द्वारा मान्यता प्राप्त पहली प्राकृतिक गैस खोज है। देश के ऊर्जा मंत्री इजरायल काट्ज ने प्राकृतिक गैस क्षेत्र की खोज के लिए एक औपचारिक पहचान प्रमाण पत्र एनर्जेन के सीईओ मैथ्यू रिगास को सौंपा है। एक अनुमान के मुता?बिक नया क्षेत्र करीब 68 बिलियन क्यूबिक मीटर है और तकनीकी तौर पर इसे मई 2022 में तलाशा गया था। इजरायली तट के अन्य क्षेत्रों की तुलना में कैटलन को छोटा माना जाता है। फिर भी इस खोज को काफी अहम करार दिया जा रहा है। हर साल इजरायल 13 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस की खपत करता है। इस क्षेत्र की खोज उस समय हुई जब एनर्जेन करिश और तनिन भंडार की तलाश पर ध्यान लगा रहा था।

गौरतलब है कि समंदर के अंदर कैटलन गैस फील्ड इजरायल के आर्थिक जल क्षेत्र के तहत आता है। इससे अलग एफ्रोडाइट क्षेत्र ज्यादातर साइप्रस के प्रादेशिक जल में है। इजरायली हिस्से में सिर्फ एक छोटा सा क्षेत्र शामिल है। काना-सिडोन ज्यादातर लेबनान की जल सीमा में है। पिछले साल इजरायल और लेबनान के बीच एक अमेरिकी और फ्रेंच क्रू ने उस डील को सफलतापूर्वक हासिल किया था जिसके तहत दोनों देशों के आर्थिक जलसीमा के बीच बॉर्डर तय किया गया था। एनर्जेन ने साल 2016 में भूमध्य सागर में इजरायल के आर्थिक जल में स्थित कारिश और तानिन प्राकृतिक गैस क्षेत्रों का अधिग्रहण किया था।

अत्यधिक शिकार करने से मछलियों के विकासक्रम में आया बड़ा बदलाव

लंदन (एजेंसी)। मछलियों के अत्यधिक शिकार करने से उनके विकासक्रम में बड़ा बदलाव आया है। दरअसल मानव गतिविधियों के मछलियों के विकास पर प्रभाव पर हुए अध्ययन में पाया गया है कि मछलियों का विकास लाखों करोड़ों सालों में नहीं बल्कि दशकों में भी हो सकता है। अंटलांटिक कॉडफिश के जेनेटिक अध्ययन से यह खुलासा हुआ है किस तरह इंसानों के मछली का ज्यादा शिकार करने का मछलियों के विकास पर असर हुआ है। हालांकि मछलियों के विकास की कहानी कुछ अलग है। नए अध्ययन ने खुलासा किया है कि जितना समझा जाता रहा है, उनके विकास में मानव गतिविधियों ने उससे ज्यादा आकार देने का काम किया है। उनके विकास क्रम के गति की इस क्षमता का पता तब सामने आया जब बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में मानवों द्वारा मछलियों का बहुत ही ज्यादा शिकार किया गया। नए अध्ययन की पड़ताल से साबित हुआ है कि मछलियों में विकासक्रम के बदालव जिनके बारे में माना जाता था कि लाखों करोड़ों साल लगते हैं उसमें कुछ ही दशकों का समय लग सकता है। एक अध्ययन में अटलांटिक कॉड मछली के बहुत ही तेज गति से होने वाले विकास के पहले जीनोम वाले प्रमाण साझा किए गए है। शोध के वरिष्ठ लेखक और रटगर्स स्कूल ऑफ एन्वायर्नमेंटल एंड बायोलॉजिकल साइंसेस में इकोलॉजी, इवोल्यूशन एंड नेचुरल रिसोर्सेस विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर मालिन पिनस्की का मानना है कि उनकी खोज बहुत बड़ी और नई है। इस अध्ययन में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर शोधकर्ताओं ने एक सदी से भी पहले पकड़ी गई कोडफिश के जेनेटिक कोड का अध्ययन किया और उसमें आए बदलाव के आधार पर यह खुलासा किया। पिनस्की का कहना है कि नई तकनीकों ने इस रहस्य को उजागर करने में बड़ी भूमिका निभाई।

एस. जयशंकर नामीबिया के उप प्रधानमंत्री से मिले; द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा की

विंडहोक। (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को नामीबिया के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री नेतुम्बो नंदी-नदैत्वाह से भेंट की और दोनों नेताओं के बीच ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परिवहन और संपर्क, डिजिटल, औषधि (फार्मास्यूटिकल), खाद्य सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा हुई। जयशंकर ने नंदी-नदैत्वाह के साथ भारत और नामीबिया के बीच पहले संयुक्त सहयोग आयोग के बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान जयशंकर ने रेखांकित किया कि वर्तमान साझेदारी दीर्घकालिक राजनीतिक साख और बढ़ती विकास भागीदारी पर आधारित होनी चाहिए।

जयशंकर ने ट्वीट किया, ''ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परिवहन और संपर्क, डिजिटल, औषधि (फार्मास्यूटिकल), खाद्य सुरक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और संस्कृति के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर चर्चा किया। वन्यजीव सहयोग और हरित पर्यटन पर भी चर्चा हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हमारे विचार समान हैं।'' वहीं, जयशंकर के साथ प्रतिनिधि-स्तरीय बैठक से पहले नामीबिया के विदेश मंत्री नेतुम्बो नंदी-नदैत्वाह ने जयशंकर के साथ बातचीत की थी। जयशंकर ने नामीबिया के राष्ट्रपति डॉक्टर हेग जी. गेइन्गोब से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तिगत संदेश उन्हें दिया।

मंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''मेरा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए नामीबिया के राष्ट्रपति डॉक्टर हेग जी. गेइन्गोब का धन्यवाद। हमारे संबंधों के प्रति उनकी भावनाओं और इसे आगे बढ़ाने के दृष्टिकोण का सम्मान करता हूं।'' जयशंकर ने राष्ट्रपति को संयुक्त आयोग की सकारात्मक बैठक के बारे में बताया और ''अपनी साझेदारी को गहरा'' करने संबंधी भारत की प्रतिबद्धता दोहरायी। जयशंकर नामीबिया के स्वतंत्रता संग्रहालय भी गए। जयशंकर केपटाउन से तीन दिन की यात्रा पर रविवार को नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंचे।

भारतीय सेना प्रमुख ने बांग्लादेश सैन्य अकादमी का दौरा किया, पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया

ढाका। (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को चट्टोग्राम में बांग्लादेश सैन्य अकादमी का दौरा किया, जहां उन्होंने 84वें 'लॉन्ग कोर्स' के अधिकारी कैडेट की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया और उनके साथ बातचीत की। दो दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे जनरल पांडे ने पासिंग आउट कोर्स के पुरस्कार विजेताओं को उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया। यह सेना प्रमुख के तौर पर बांग्लादेश का उनका दूसरा दौरा है।

अतिरिक्त महानिदेशालय, जन सूचना ने एक ट्वीट में कहा, ÷सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बांग्लादेश सैन्य अकादमी में बतौर मुख्य अतिथि पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। त्रुटिहीन परेड प्रदर्शन के लिये उन्होंने इसमें शामिल कैडेट की सराहना की।÷ भारतीय सेना प्रमुख ने कैडेट से बातचीत की और परेड के दौरान बीएमए से पासिंग आउट कोर्स के मित्र देशों के सर्वश्रेष्ठ विदेशी कैडेट के लिए स्थापित 'बांग्लादेश भारत मैत्री ट्रॉफी' प्रदान की। पहली ट्रॉफी इस वर्ष तंजानिया के अधिकारी कैडेट एवर्टन को प्रदान की गई।

जनरल पांडे ने सोमवार को यहां अपने बांग्लादेशी समकक्ष जनरल एस. एम. शफीउद्दीन अहमद से मुलाकात की तथा पारस्परिक हित के विभिन्न पहलुओं के साथ ही द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों पर चर्चा की। बांग्लादेश के सशस्त्र बलों की मीडिया इकाई 'द इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स डायरेक्टरेट' (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि दोनों सेना प्रमुखों ने दोनों देशों की प्रगति के लिए मौजूदा द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य के सहयोग पर चर्चा की। इसमें कहा गया, 'भारतीय सेना प्रमुख की यात्रा से बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण मदद मिलने की उम्मीद है।

नेपाल और भारत को सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए बातचीत करनी चाहिए : प्रधानमंत्री प्रचंड

काठमांडू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने कहा कि नेपाल और भारत दोनों देशों के अधिकारियों को सीमा मुद्दे को हल करने के लिए बातचीत करनी चाहिए। प्रचंड 31 मई से तीन जून तक भारत के दौरे पर थे। दिसंबर 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बृहस्पतिवार को उनकी बैठक में दोनों देशों ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए और नयी रेल सेवाओं सहित छह परियोजनाएं शुरू कीं। दोनों नेताओं ने जटिल सीमा विवाद को मित्रता की भावना से सुलझाने का भी संकल्प लिया। अपनी भारत यात्रा के दौरान हुए

समझौतों और नागरिकता संशोधन विधेयक के संबंध में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि नेपाल और भारत दोनों पक्षों को मानचित्र को अपने सामने रखते हुए एक साथ बैठकर चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने संसद को बताया, ÷मेरी भारत यात्रा के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई है। हम राष्ट्रीय हित और संप्रभुता से जुड़े मामलों को लेकर चिंतित हैं। नक्शे के मुद्दे पर भी बातचीत हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जेपी नड्डा ने राहुल को बताया नफरत की मेगा शॉपिंग मॉल का मालिक

–भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सशस्त्र सेनाओं के तीन पूर्व अधिकारियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को नफरत की मेगा शॉपिंग मॉल का मालिक बताते हुए निशाना साधा है। मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि जब-जब भारत नए कीर्तिमान स्थापित करता है, तब-तब कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी को भारत का गौरव पचता नहीं है। एक ओर सर्जिकल स्ट्राइक पर प्रश्न खड़ा करते हैं। हिंदू-मुस्लिम को बांटने की बात करते हैं और दूसरी ओर कहते हैं कि हम मोहब्बत की दुकान चला रहे हैं। नड्डा ने कहा कि अरे, आपने तो नफरत की मेगा शॉपिंग मॉल खोल रखी है। इससे पहले भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर पार्टी की ओर से आयोजित जनसंपर्क अभियान के तहत सोमवार को सशस्त्र सेनाओं के तीन पूर्व अधिकारियों से मिले। उन्होंने पूर्व सेना प्रमुख दलबीर सिंह सुहाग, सेना के पूर्व उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल ए एस लांबा और एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डेंजिल कीलोर से गुरुग्राम स्थित उनके आवासों पर मुलाकात की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने सेना के इन सभी पूर्व अधिकारियों को मोदी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करने वाली एक पुस्तिका भेंट की और केंद्र में पार्टी के नौ साल के शासन के विभिन्न पहलुओं पर उनसे चर्चा की। गौरतलब है कि भाजपा ने 30 मई से जनसंपर्क अभियानों की एक श्रृंखला शुरू की है और यह 30 जून तक जारी रहेगी। इस दौरान पार्टी की ओर से रैलियों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता समाज के विभिन्न वर्गों और प्रबुद्ध लोगों के साथ मुलाकात कर रहे हैं और उन्हें सरकार की उपलब्धियों का ब्योरा दे रहे हैं।

यहां गौरतलब है कि राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं। अमेरिका में राहुल गांधी ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुस्लिम लीग सेक्युलर पार्टी है। राहुल गांधी के बयान पर भाजपा ने भी पटलवार किया है। वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब में राहुल गांधी से केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ कांग्रेस के गठबंधन के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब में कहा कि मुस्लिम लीग पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष पार्टी है, इसमें कुछ भी नॉन सेक्युलर नहीं है। बता दें कि केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग कांग्रेस गठबंधन का हिस्सा है।

बिहार में गंगा नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज गिरने के बाद द्वारका के सिग्नेचर ब्रिज को लेकर उठे सवाल

अहमदाबाद । देवभूमि द्वारका जिले में ओखा और बेट द्वारका के बीच बन रहे सिग्नेचर ब्रिज को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि द्वारका में सिग्नेचर ब्रिज वही कंस्ट्रक्शन कंपनी एसपी सिंगला बना रही है, जो बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर ब्रिज बना रही थी। गंगा नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज दो दिन पहले ही ढह चुका है। बिहार की घटना के बाद अब गुजरात में ओखा को बेट द्वारका से जोड़ने वाला सिग्नेचर ब्रिज बना रही कंपनी के साथ कोन्ट्रेक्ट रद्द किया जाएगा या नहीं? यह सवाल पूछा जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार कंपनी के साथ कोन्ट्रेक्ट रद्द करने के पक्ष में नहीं दिखती। जिसकी वजह यह है कि देश में 70 जितने ब्रिजों का निर्माण इसी एसपी सिंगला कंपनी ने किया है। गुजरात के सिग्नेचर ब्रिज को लेकर सरकार आश्वस्त है कि उसमें कोई कमी नहीं है। ब्रिज निर्माण का अधिकारी और मंत्री लगातार मोनिटरिंग कर रहे हैं। इसलिए इसके निर्माण पर रोक लगाने की कोई तैयारी नहीं है। हांलाकि अब निर्माण कार्यवाही पर लगातार निगरानी बढ़ाई जाएगी। ओखा और बेट द्वारका के बीच बन रहा सिग्नेचर ब्रिज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसे लेकर पहले से ही इंस्पेक्शन किया जा रहा है। ब्रिज के बनकर तैयार होने के बाद तीन अलग अलग ट्रायल किए जाएंगे, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस ब्रिज का उदघाटन किया जाएगा। संभावना है कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले इस सिग्नेचर ब्रिज का उदघाटन होगा।

बृजभूषण के समर्थन में उतरा राजपूत समाज, खापों पर निशाना

बागपत । पहलवानों बनाम बृजभूषण सिंह की लड़ाई अब और दिलचस्प हो गई है। दरअसल राजपूत समाज ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण को अपना समर्थन दिया है। राजपूत समिति ने पहलवानों के विरोध में खापों के हस्तक्षेप का विरोध कर कहा, देश संविधान और कानून से चलता है, पंचायतों से नहीं चलता देश। 70-80 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने बागपत के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से मुलाकात कर बृजभूषण को अपना समर्थन व्यक्त करते हुए भारत के राष्ट्रपति को भेजने के लिए एक ज्ञापन सौंपा। राजपूतों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजपूत विकास समिति (आरवीएस) के अध्यक्ष राजेश चौहान कर रहे थे। चौहान ने कहा कि बृजभूषण के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से पहले उन पर लगे आरोपों की ठीक से जांच की जानी चाहिए। चौहान ने कहा, हम पहलवानों के समर्थन में खड़े हैं, लेकिन खाप मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही हैं और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। आरवीएस के उपाध्यक्ष अशोक चौहान ने कहा कि इन खाप पंचायतों में लिए गए निर्णय अवैध और अनैतिक हैं। कई मौकों पर यह देखा गया है कि खाप प्रतिनिधि केवल राजनीतिक लाभ के लिए अपने मंच का दुरुपयोग करने की कोशिश करते हैं। अशोक चौहान ने कहा, केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध के दौरान भी खापों ने किसानों के मामलों में दखल दिया और यही कारण है कि आंदोलनकारियों और सरकार को समझौते पर पहुंचने में देर हो गई और विरोध लंबे समय तक खिंच गया। राजपूत विकास समिति का गठन दो दशक पहले हुआ था।

अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब कुछ भी बोलना नहीं

–इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो टूक कहा

इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब भाषा के बिना किसी रोक टोक के उपयोग का लाइसेंस कतई नहीं है। कोर्ट ने मां दुर्गा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले याची की याचिका खारिज कर कहा है कि सोशल मीडिया वैश्विक प्लेटफार्म है। यह लोगों के लिए अभिव्यक्ति की आजादी का उपयोग करने का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है, लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी विशेष जिम्मेदारी और कर्तव्य के साथ मिलती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि यह नागरिकों को गैर जिम्मेदाराना रूप से बोलने की स्वतंत्रता नहीं देती है। न ही यह भाषा के हर संभव अबाध उपयोग की आजादी देती है। मां दुर्गा पर सोशल मीडिया के द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले जौनपुर के शिव कुमार भारती की याचिका खारिज कर जस्टिस मंजू रानी चौहान की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया है। गौरतलब है कि याची ने अपने व्हाट्सएप से कई व्हाट्सएप ग्रुप पर मां दुर्गा के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई थी और शिकायतकर्ता अखंड प्रताप सिंह ने 8 अक्टूबर 2021 को जौनपुर के बदलापुर थाने में याची के खिलाफ आईपीसी की धारा 295 ए और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी।

एनसीबी ने पकड़ी एलएसडी की सबसे बड़ी खेप

नई दिल्ली। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने देश भर में 'डार्क वेब' के जरिए संचालित किए जा रहे मादक पदार्थ की तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उसने एलएसडी की अब तक की सबसे बड़ी खेप जब्त करने का दावा किया है। एलएसडी या लिसर्जिक एसिड डाइथिलेमाइड वास्तव में सिंथेटिक रसायन आधारित एक मादक पदार्थ है तथा इसे मतिभ्रमकारी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। डार्क वेब' का मतलब इंटरनेट में गहराई में छिपे उन मंचों से है जिनका इस्तेमाल मादक पदार्थ को बेचने, पोर्नोग्राफी सामग्री के आदान-प्रदान और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के लिए किया जाता है। इंटरनेट पर संचार में गोपनीयता बनाए रखने के लिए इन गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन्हें पकड़ न पाएं।

हेमा मालिनी की खास पसंद बनी म ?थुरा सीट, वहीं से लडेंगी चुनाव

मथुरा । मथुरा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने सोमवार को कहा कि अगर उन्हें अगला चुनाव लड़ना हुआ, तो वे मथुरा से ही लड़ेंगी, किसी अन्य सीट से लड़ने का प्रस्ताव कतई स्वीकार नहीं करेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में हेमा मालिनी ने कहा कि मैं अगला चुनाव मथुरा से ही लडूंगी और अगर किसी अन्य सीट से लड़ने का प्रस्ताव आया तो वह स्वीकार नहीं है। तीसरी बार चुनाव लड़ने की इच्छा के बारे में पूछे जाने पर ड्रीम गर्ल के रूप में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री ने कहा कि यदि पार्टी मुझे चुनाव लड़ाना चाहेगी, तो मुझे क्या दिक्कत हो सकती है, लेकिन इतना साफ है कि लडूंगी मथुरा से ही। सांसद ने खुद ही इसका कारण भी स्पष्ट कर दिया कि वे ऐसा इसलिए करेंगी, क्योंकि उन्हें भगवान श्रीकृष्ण और उनके भक्तों से अथाह प्यार है और वे उनकी सेवा करना चाहती हैं। ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए विश्वास जताया कि जिस प्रकार मोदी सरकार ने बीते नौ वर्षों में देश की जनता के भले के लिए अनेक योजनाएं लागू कर उन्हें राहत पहुंचाने के काम किए हैं, जनता भारतीय जनता पार्टी की सरकार को अगले चुनाव में अवश्य जिताएगी। गौरतलब है कि हेमा मालिनी ने वर्ष 2014 और 2019 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर मथुरा लोकसभा सीट से लगातार दो बार चुनाव जीता है। इसके पहले वह राज्यसभा की भी सदस्य रह चुकी हैं।

ऑनलाइन गेम के जरिए धर्म परिवर्तन का आरोप, एक गिरफ्तार

गाजियाबाद। ऑनलाइन गेम के जरिए धर्म परिवर्तन के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में ऑनलाइन गेम के जरिए धर्म परिवर्तन के मामले में एक आरोपी पकड़ा गया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट पर गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी अब्दुल रहमान को पकड़ा है। गाजियाबाद पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी अब्दुल रहमान से अब आईबी की टीम भी पूछताछ करेगी। जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद में ऑनलाइन गेम के जरिए धर्म परिवर्तन के मामले को लेकर केंद्रीय एजेंसियों ने गाजियाबाद पुलिस से संपर्क किया था। केंद्रीय एजेंसियों के इनपुट पर गाजियाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी का नाम अब्दुल रहमान बताया जा रहा है।

गुजरात के राजनीतिक इतिहास में पहली बार कांग्रेस राज्यसभा चुनाव लड़े बगैर होगी बाहर

अहमदाबाद। गुजरात के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब कांग्रेस राज्यसभा का चुनाव लड़े बगैर ही बाहर हो जाएगी। क्योंकि गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के केवल 17 सदस्य हैं, जबकि राज्यसभा चुनाव के अंक गणित के मुताबिक उसके पास कम से कम 45 विधायक होना जरूरी है7 गुजरात में जिस प्रकार विधानसभा में कांग्रेस का संख्याबल सबसे कम है उसे देखते हुए आगामी पांच साल तक कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव में कोई मौका नहीं मिलेगा। अर्थात आगामी 5 साल तक गुजरात कांग्रेस को राज्यसभा में एक भी सीट नहीं मिलेगी। गुजरात में राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं, जिसमें भाजपा के पास 8 और कांग्रेस के खाते में तीन सीटें है। इनमें से 3 सीटों पर आगामी अगस्त 2023 को चुनाव होना है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के अलावा जुगलजी ठाकोर और दिनेश अनावडिया की अवधि 18 अगस्त 2023 को टर्म पूरी हो रही है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा की इन तीनों पर जीत तय है7 वहीं केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला और मनसुख मांडविया के अलावा कांग्रेस की अमी याज्ञिक और नारण राठवा की टर्म 2 अप्रैल 2024 को पूर्ण हो जाएगी। अप्रैल 2024 के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथ से दोनों सीटें निकल जाएंगी। राज्यसभा की शेष 4 सीटों पर 2026 में चुनाव होंगे। भाजपा के राज्यसभा सांसद राम मोकरिया, रमीला बारा, नरहरि अमीन के अलावा कांग्रेसके शक्तिसिंह गोहिल की टर्म 21 जून 2026 में पूरी होगी। स्वाभाविक है कि संख्याबल कम होने की वजह से 2026 में होनेवाले राज्यसभा चुनाव में भाजपा के सभी चारों सीटों पर जीतना तय है। फिलहाल आगामी अगस्त 2023 में गुजरात में होनेवाले राज्यसभा चुनाव में तीनों सीटें भाजपा में खाते में जाएंगी। गुजरात के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि कांग्रेस को चुनाव लड़ने का मौका ही नहीं मिलेगा। क्योंकि कांग्रेस के पास चुनाव जीतने के लिए पर्याप्त संख्याबल नहीं है।

275 में से 100 शवों की पहचान अभी बाकी, इस बीच अपनों के जिंदा होने की उम्मीद भी कायम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल ट्रेन हादसे के तीन दिन बाद भी अपनों के जिंदा होने की उम्मीद में लोग यहां वहां अस्पतालों में चक्कर लगा रहे हैं। हालांकि अभी 100 शवों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन जहां घायल भर्ती हैं वहां उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि हादसे को तीन दिन से ज्यादा का वक्त हो चुका लेकिन, इतने वक्त बाद भी इस भयावह जख्म हरे हैं। राहत-बचाव कार्य भले ही पूरा हो गया हो, पटरियां दुरुस्त हो गई हों लेकिन, अभी भी इसके निशान बाकी हैं। अपनों को खो चुकी वो आंखे अभी भी इस उम्मीद हैं कि शायद कोई चमत्कार हो जाए और उनका अपना सामने आ खड़ा हो। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 275 में से तकरीबन 100 शवों की शिनाख्त अभी बाकी है। लोग मुर्दाघरों से लेकर उन अस्पतालों के भी चक्कर लगा रहे हैं, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। इन शवों को एम्स भुवनेश्वर और चार अन्य निजी अस्पतालों के मुर्दाघर में रखा गया है। मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जैन ने जानकारी दी कि कई शवों की शिनाख्त हो चुकी है, बाकियों की पहचान का काम चल रहा है। उधर, कई लोग अभी भी अपने प्रियजनों को तलाश रहे हैं। कईयों को उम्मीद है कि उनके अपने जो उस शाम कोरोमंडल एक्सप्रेस में सवार थे, जिंदा बचे हैं। ये लोग मुर्दाघरों व अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं, जहां घायलों का इलाज चल रहा है।

इधर ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जैन ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने 275 मौतों की पुष्टि की है। रविवार दोपहर 2 बजे तक, 180 शवों को मृतकों के परिजनों को सौंप दिया गया था। हमने बालासोर में 85 और भुवनेश्वर में 95 शव सौंपे हैं। शव की शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शवों को भुवनेश्वर के शवगृहों से उनके पैतृक स्थानों तक पहुंचाने का खर्च वहन करेगी। हमारे अधिकारी शवों की पहचान करने से लेकर उन्हें उनके घर सौंपने तक हर चीज का समन्वय कर रहे हैं। जैन ने कहा कि सरकार मृतक के परिजनों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से मृत्यु प्रमाण पत्र और स्पीड पोस्ट के माध्यम से भौतिक प्रतियां प्रदान करेगी। उन्हें इन दस्तावेजों के लिए चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। हम कम से कम समय में इस प्रक्रिया को सुगम बनाएंगे। उन्होंने कहा कि रिश्तेदार हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से कॉल कर सकते हैं और सरकारी अधिकारी उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए मार्गदर्शन करेंगे।

इस बीच, अंतहीन खोज से परिजन हताश हैं। पश्चिम बंगाल के पश्चिम दिनाजपुर जिले के बासुदेव रॉय अपने भाई और बहनोई (बहन के पति) की तलाश कर रहे हैं, जो कोरोमंडल एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है। इस तरह की एक नहीं कई कहानियां हैं। बासुदेव के मुताबिक, परिवार के पांच लोग बालासोर में हैं और उन्होंने लगभग सभी सरकारी अस्पतालों और मुर्दाघरों का दौरा किया है, लेकिन दोनों का पता नहीं चल पाया है। हम तीनों भुवनेश्वर और कटक आए हैं।

इसी तरह दो भाई गोपाल मन्ना और निमाई मन्ना अपने भाई समीर मन्ना (32) की तलाश कर रहे हैं। बालासोर के अस्पतालों का दौरा करने के बाद वे सोमवार को एम्स भुवनेश्वर पहुंचे। समीर पिछले दो साल से कोरोमंडल एक्सप्रेस में पेंट्री बॉय के तौर पर काम कर रहा था। बालासोर जिले के रेमुना की राममणि बेरा शुक्रवार रात से अपने पति कार्तिका बेरा (37) की तलाश कर रही हैं। वह बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में विजयवाड़ा से बालासोर आ रहा था।

अमित शाह ने आप को दिया झटका, पंजाब में बीजेपी के साथ आ सकता है अकाली दल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की सियासत और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के पुराने साथी भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल फिर एक हो सकते हैं। दरअसल, हाल ही में हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मुलाकात से ऐसे संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, दोनों दलों की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। दरअसल, बैठक के दो दिनों बाद ही अमृतसर प्रशासन ने 17 साल पुराने एक प्रस्ताव की कॉपी जारी है। इसमें स्वर्ण मंदिर परिसर में नारेबाजी और मीडिया इंटरव्यू की मनाही है। 6 जून को ऑपरेशन ब्लू स्टार की वर्षगांठ और घल्लूघारा दिवस की संध्या को जारी किया गया है। हालांकि, अकाल तख्त की तरफ से सिख धर्मगुरुओं की तरफ से दिए गए निर्देशों को मीडिया में जारी करना नई बात नहीं है, लेकिन पहली बार जिला प्रशासन की तरफ से यह कदम उठाया गया है। अब खास बात है कि एसजीपीसी के अधिकांश सदस्य शिरोमणि अकाली दल से हैं। ऐसे में अटकलें तेज हो गई हैं कि भाजपा और शिअद साथ आ सकते हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि हालिया जालंधर लोकसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद शिअद ने भाजपा के साथ फिर संपर्क साधने पर विचार किया है। संभावनाएं ये भी जताई जा रही हैं कि भाजपा भी शिअद से अलगाववादी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए कह सकती है। इसके अलावा शिरोमणि अकाली दल प्रस्ताव की कॉपी को मीडिया में जारी कर मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई वाली सरकार को परेशान कर सकती है। 15 मई को ही जिला प्रशासन ने अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के निजी सचिव जसपाल सिंह का पत्र सार्वजनिक किया गया था।

रक्षा मंत्री ने अमेरिका को किया अलर्ट, भरोसे के लायक नहीं पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका को अलर्ट करते हुए कहा है कि वह हथियारों के मामले में पाकिस्तान पर जरा भी भरोसा न करे। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच की तल्खी किसी से छिपी नहीं है। इन दिनों अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भारत के दौरे पर हैं। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन से कहा कि हथियारों के मामले में पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। हथियारों के मामले में पाकिस्तान कतई भरोसेमंद नहीं है क्योंकि वह हथियारों और तकनीक का दुरुपयोग कर सकता है जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता आ सकती है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान उनके समक्ष यह चिंता जताई गई। बता दें कि अमेरिका के रक्षा मंत्री भारत के 2 दिवसीय दौरे पर हैं। उनका यह दौरा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 से 24 जून को होने वाले अमेरिका दौरे से पहले हुआ है। बैठक से पहले राजनाथ की उपस्थिति में अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन को ट्राई सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस दौरान इंडो पैसिफिक सहित क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बातचीत भी हुई। साथ ही भारत के पड़ोसियों को लेकर भी चर्चा हुई। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच एनएसी पर चीन की स्थिति को लेकर भी चर्चा हुई। अमरीकी रक्षा मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा कि हमने दोनों देशों से बातचीत की है। हमारा पूरा जोर इस पर है कि दोनों देशों के बीच तनाव न बढ़े।

मणिपुर में फिर हिंसा: उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ में बीएसएफ जवान शहीद

मणिपुर (एजेंसी)। सेना के अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के सेरो में सुरक्षाबलों और उग्रवादियों के एक समूह के बीच 5-6 जून की दरमियानी रात फिर गोलीबारी की खबर सामने आई है। इसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की मौत हुई, जबकि असम राइफल्स के दो जवान गंभीर रूप से घायल हैं। भारतीय सेना ने बयान में कहा, बीएसएफ के एक जवान की गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौत हो गई, जबकि असम राइफल्स के दो जवान गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायल असम राइफल्स के जवानों को विमान से मंत्रिपुखरी ले जाया गया है।

साथ ही, उन्होंने कहा असम राइफल्स, बीएसएफ और पुलिस द्वारा मणिपुर में सुगनू/सेरौ के क्षेत्रों में व्यापक व्यापक सर्चिंग अभियान चलाए गए। सुरक्षा बलों और विद्रोहियों के समूह के बीच 5-6 जून की रात को रुक-रुक कर पूरी रात गोलीबारी हुई, सुरक्षा बलों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। असम राइफल्स, सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) और पुलिस के साथ सेना ने मणिपुर में हाल के संकट के बाद व्यापक रूप से अभियान शुरू कर सर्च ऑपरेशन भी तेजी से चल रहा है।

सेना के अधिकारियों ने कहा कि सेना, असम राइफल्स, पुलिस और सीआरपीएफ ने पूरे मणिपुर में पहाड़ी और घाटी क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन शुरू किया। मानव रहित हवाई वाहनों और क्वाडकॉप्टरों की निगरानी के जरिए अब तक 40 हथियार (ज्यादातर स्वचालित), मोर्टार, गोला-बारूद और अन्य जंगी सामान बरामद किए गए हैं।

मणिपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों के बाद सुरक्षाबलों ने फिर सभी लोगों से मणिपुर में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द हथियार रखने की अपील की है। सुरक्षाबलों ने यह भी चेतावनी दी कि इन हथियारों को सरेंडर करने में विफल रहने पर इसतरह के सभी लोग कड़ी कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे।

कम दबाव के कारण मॉनसून देरी से आने का पूर्वानुमान

– मौसम विभाग ने केरल में मॉनसून के आगमन की संभावित तारीख नहीं बताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बनने और अगले दो दिनों में इसमें तेजी आने के चलते चक्रवाती हवाएं मॉनसून के केरल तट की ओर आगमन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। हालांकि, मौसम विभाग ने केरल में मॉनसून के आगमन की संभावित तारीख नहीं बताई। आईएमडी ने कहा ?कि दक्षिण अरब सागर के ऊपर पश्चिमी हवाएं औसत समुद्र तल से 2.1 किमी ऊपर तक चल रही हैं। हालांकि, दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर एक चक्रवाती प्रवाह के कारण, बादल छाने की परिस्थिति बनी है और वह उसी क्षेत्र में केंद्रित है तथा पिछले 24 घंटों में केरल तट के पास बादलों में कुछ कमी आई है। आईएमडी ने कहा ?कि इसके अलावा, इस चक्रवाती प्रवाह के असर से अगले 24 घंटे के दौरान उसी क्षेत्र में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके उत्तर की ओर बढ़ने और बाद के 48 घंटों के दौरान दक्षिण-पूर्व और इससे सटे पूर्व मध्य अरब सागर के ऊपर दबाव के रूप में मजबूत होने की संभावना है। इस प्रणाली के बनने और इसके मजबूत होने तथा उत्तर की ओर बढ़ने से केरल तट की ओर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के बढ़ने पर असर पड़ने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आम तौर पर एक जून को लगभग सात दिनों के मानक विचलन के साथ केरल में प्रवेश करता है। मई के मध्य में आईएमडी ने कहा था कि मॉनसून चार जून तक केरल में आ सकता है।

दक्षिण-पूर्वी मॉनसून पिछले साल 29 मई, 2021 में तीन जून, 2020 में एक जून, 2019 में आठ जून और 2018 में 29 मई को पहुंचा था। आईएमडी ने पूर्व में कहा था कि अल नीनो की स्थिति विकसित होने के बावजूद दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मौसम में भारत में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है। पूर्व और उत्तर पूर्व, मध्य और दक्षिण प्रायद्वीप में लंबी अवधि के औसत (एलपीए) 87 सेंटीमीटर के हिसाब से 94-106 प्रतिशत वर्षा होने की उम्मीद है। भारत के

कृषि परिदृश्य के लिए सामान्य वर्षा महत्वपूर्ण है। खेती वाले क्षेत्र का 52 प्रतिशत हिस्सा मॉनसून की वर्षा पर निर्भर है। यह देश भर में बिजली उत्पादन के अलावा पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों के भंडारण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में गंगा नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज गिरने के बाद द्वारका के सिग्नेचर ब्रिज को लेकर उठे सवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

देवभूमि द्वारका जिले में ओखा और बेट द्वारका के बीच बन रहे सिग्नेचर ब्रिज को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि द्वारका में सिग्नेचर ब्रिज वही कंस्ट्रक्शन कंपनी एसपी सिंगला बना रही है, जो बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर ब्रिज बना रही थी। गंगा नदी पर निर्माणाधीन ब्रिज दो दिन पहले ही ढह चुका है। बिहार की घटना के बाद अब गुजरात में ओखा को बेट द्वारका से जोड़ने वाला सिग्नेचर ब्रिज बना रही कंपनी के साथ कोन्ट्रेक्ट रद्द किया जाएगा या नहीं ? यह सवाल पूछा जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार कंपनी के साथ कोन्ट्रेक्ट रद्द करने के पक्ष में नहीं दिखती। जिसकी वजह यह है कि देश में 70 जितने ब्रिजों का निर्माण इसी एसपी सिंगला कंपनी ने किया है। गुजरात के सिग्नेचर ब्रिज को लेकर सरकार आश्वस्त है कि उसमें कोई कमी नहीं है। ब्रिज निर्माण का अधिकारी और मंत्री लगातार मोनिटरिंग कर रहे हैं। इसलिए इसके निर्माण पर रोक लगाने की कोई तैयारी नहीं है। हांलाकि अब निर्माण कार्यवाही पर लगातार निगरानी बढ़ाई जाएगी।

ओखा और बेट द्वारका के बीच बन रहा सिग्नेचर ब्रिज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। जिसे लेकर पहले से ही इंस्पेक्शन किया जा रहा है। ब्रिज के बनकर तैयार होने के बाद तीन अलग अलग ट्रायल किए जाएंगे,

जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस ब्रिज का उदघाटन किया जाएगा। संभावना है कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले इस सिग्नेचर ब्रिज का उदघाटन

सुरत पुलिस कमिश्नर ने कहा सूरत पुलिस ने 16 करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स पकड़ा

अगर ये ड्रग्स नहीं पकड़े जाते तो युवाधन बर्बाद हो जाते

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, श्री हनुमान चालीस युवा कथा के छठे दिन सूरत शहर में स्थित तापी नदी के किनारे गजेरा मैदान में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। इसके साथ ही सूरत के पुलिस कमिश्नर भी मौजूद रहे थे और उन्होंने हनुमान दादा की आरती उतारी थी। सूरत पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सूरत पुलिस ने 16 करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स जब्त किया है। अगर ये ड्रग्स नहीं पकड़े जाते तो युवाधन बर्बाद हो जाते। हनुमान कथा के छठे दिन कथा के पूर्व बालिकाओं व महिलाओं के लिए आत्मरक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में युवतियों व महिलाओं ने भाग लिया था। खास बात यह है कि इसके बाद सूरत के एसीपी वाई.ए गोहिल द्वारा मंच पर से साइबर क्राइम फोर्ड के बारे में जागरूकता संदेश दिया गया। सालंगपुर के शास्त्री हरिप्रकाश स्वामी ने हनुमान चरित्र की कहानी सुनाते हुए युवाओं में बढ़ती नशीली दवाओं और विदेशी संस्कृति के अनुकरण की बात करते हुए कहा कि फैशन प्रभावित नहीं करता, चरित्र हमेशा प्रभावित करता है। इसके साथ ही हरिप्रकाश स्वामी ने राष्ट्रहित की बात करते हुए यह भी कहा, ''जिसे भारत माता की जय और वंदे मातरम कहने में कठिनाई हो, उसे भारत में रहने का क्या अधिकार है?'' सभी हिन्दुओं से निवेदन है कि भविष्य की पीढ़ी की रक्षा के लिए दो या तीन पुत्र या पुत्रियाँ अवश्य होनी चाहिए।

हनुमान कथा के छठे दिन कथा के पूर्व आत्मरक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया था। इसके बाद सालंगपुर के शास्त्री हरिप्रकाश स्वामी व संतों का भव्य स्वागत किया गया था। और इसके बाद राष्ट्रगान हुआ था। उसके बाद सूरत पुलिस कमिश्नर ने मंच पर कष्टभंजन देवता हनुमानजी की आरती उतारी थी। कहानी शुरूहोने से पहले सूरत पुलिस कमिश्नर ने मंच पर से संबोधन दिया और कहा कि सूरत पुलिस ने 16 करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स जब्त किया है. अगर ये ड्रग्स नहीं पकड़े जाते तो युवाधन बर्बाद हो जाते। ड्रग्स इन सूरत सिटी अभियान सितंबर 2020 से शुरूकिया गया है।

अमरोली की बेसहारा महिला को वृद्धाश्रम में सुरक्षित आश्रय प्रदान करती अभयम हेल्पलाइन टीम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत 181 अभयम हेल्पलाइन टीम ने अमरोली की एक असहाय महिला को वृद्धाश्रम में सुरक्षित आश्रय प्रदान किया। महिला निर्वस्त्र कहा जा सके ऐसी हालत में मिली थी। महिला के हाथ-पैर की चमड़ी भी कही कही उखड़ गई थी। अभयम से मिली जानकारी के अनुसार सूरत के अमरोली इलाके के एक सतर्क व्यक्ति ने मदद की भावना से 181 महिला हेल्पलाइन पर फोन किया और कहा कि एक अज्ञात महिला को मदद की जरूरत है एस कहे कर अनुरोध किया क्योंकि वह ऐसी स्थिति में थी जिसे लगभग नग्न अवस्था में कहा जा सकता था। लिहाजा कतारगाम थाना से अभयम रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और महिला को कपड़े पहनाए। फ़िलहाल महिला की शिनाख्त होने तक वृद्धाश्रम में संपर्क कर शरण दी गई हैं।

जांच के दौरान अभयम को पता चला कि यह महिला महाराष्ट्र के नंदुरबार की रहने वाली है। उनके बेटे का कोरोना में निधन हो गया, वे अकेली हो जाने के कारण और कोई सहारा नहीं होने के कारण, सूरत छोटी-मोटी नौकरी करके अपना गुजारा कर रही थी। कुछ समय बाद काम मिलना बंद हो गया और वह फुटपाथ पर रहने लगी थी। भूख-प्यास और अवसाद के कारण उनके हाथ-पैरों की चमड़ी भी सिकुड गई थी। ऐसी दयनीय स्थिति में उन्हें वृद्धाश्रम में रखा गया है जहाँ उन्हें उचित भोजन दिया जायेगा और आश्रय के साथ उनकी सही तरह से देखभाल और उपचार किया जायेगा।

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री और जगदगुरुराम भद्राचार्य 11 जून को आएंगे सूरत,भव्य स्वागत की तैयारी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री फिर एक बार सूरत आ रहे हैं। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ ही जगदगुरु रामभद्राचार्य का भी सूरत में आगमन होनेवाला है। 10 जून को जगदगुरु रामभद्राचार्य और धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का सूरत में आगमन होगा। दरअसल 11 जून को जगदगुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी के बड़े भाई शिवोम मिश्रा का विवाह सूरत में होना है। जिसमें आशीर्वाद देने जगदगुरु रामभद्राचार्य और धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री आ रहे हैं। इस अवसर पर सूरत के उधना तेरापंथ भवन में जगदगुरु रामभद्राचार्य की 'धर्म संवाद' के नाम से कथा का भी आयोजन किया गया है। जिसका संचालन विख्यात अधिवक्ता और सामाजिक नेता विनय शुक्ला करेंगे। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री और जगदगुरु रामभद्राचार्य के भव्य स्वागत को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जगदगुरु रामभद्राचार्य विख्यात कथाकार हैं। सूरत एयरपोर्ट से अणुव्रत द्वार तक उनकी भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। जिसमें सूरत शहर, दक्षिण गुजरात के हजारों लोग शामिल होंगे। जिसके बाद वे सूरत के उधना क्षेत्र के तेरापंथ भवन में संवाद करेंगे।

इंजीनियरिंग ब्लॉक के चलते आज भरूच-सूरत पैसेंजर ट्रेन रहेगी रद्द, पांच ट्रेनें चलेंगी विलंब से

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,पश्चिम रेलवे की वड़ोदरा – सूरत रेल खंड के अंकलेश्वर – सायन स्टेशनों के बीच 7 जून 2023 को इंजीनियरिंग ब्लॉक लिए जाने के कारण भरूच-सूरत पैसेंजर स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी। जबकि पांच ट्रेनें विलंब से चलेंगी।

निरस्त ट्रेनें:

- ट्रेन नं 09082 भरूच - सूरत पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

मार्ग में विलंब से चलने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन नं 12656 नवजीवन एक्सप्रेस सुपरफ़ास्ट 02 घंटे लेट होगी।
- ट्रेन नं 09075 मुंबई सेंट्रल – काठगोदाम एक्सप्रेस 01 घंटा 15 मिनट लेट होगी।
- ट्रेन नं 19015 दादर – पोरबंदर एक्सप्रेस 45 मिनट लेट होगी।
- ट्रेन नं 12216 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस 20 मिनट लेट होगी।
- ट्रेन नं 22949 बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस 10 मिनट लेट होगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्तफेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो|

गुजरात पर मंडराया चक्रवात का खतरा, बंदरगाहों पर लगे एक नंबर के सिग्नल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मौसम विभाग ने गुजरात पर मंडरा रहे चक्रवात के खतरे को महत्वपूर्ण जानकारी दी है। फिलहाल चक्रवात गोवा के पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में करीब 900 किलोमीटर, मुंबई से 1120 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम-दक्षिण और गुजरात के पोरबंदर से 1160 किलोमीटर दक्षिण और 1520 किलोमीटर कराची के दक्षिण से उत्तर की ओर आगे बढ़ेगा। पूर्व मध्य अरब सागर में आगामी 24 घंटों के दौरान चक्रवाती तूफान के तीव्र होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए सरकार ने गुजरात के तटीय क्षेत्र के सभी बंदरगाहों पर पर एक नंबर के सिग्नल लगा दिया है। अरब सागर में सक्रिय हवा के हलके दबाव की वजह से गुजरात पर चक्रवात का खतरा मंडरा रहा है। 7 जून के आसपास लक्ष्यद्वीप के निकट हवा का हलका दबाव चक्रवात में परिवर्तित होगा। चक्रवात की शुरुआती दिशा मुंबई और रत्नागिरी की होने की संभावना है। 13 जून के आसपास चक्रवात गुजरात के समुद्री तट के निकट पहुंच सकता है। ऐसे में 12, 13 और 14 जून को सौराष्ट्र समेत तटीय इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। साथ ही तटीय क्षेत्रों में 50 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। अगर अंतिम समय में चक्रवात दिशा बदलता है तो पाकिस्तान के कराची की ओर जा सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक अहमदाबाद में दो दिन 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। हांलाकि अगले 5 दिन अहमदाबाद का तापमान 42 डिग्री के आसपास रहने की

गोधरा में दो समुदायों के बीच पथराव, 10 लोग गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गोधरा,गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा कस्बे में एक सड़क पर से गुजरने को लेकर दो समुदायों के सदस्यों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार शाम हुई झड़प में एक शख्स घायल हो गया और पुलिस ने घटना के संबंध में 10 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने कहा कि कादरखान पठान की शिकायत पर दर्ज एक एफआईआर के मुताबिक आरोपी मित्तंग परमार और कुछ अन्य लोगों ने अपने इलाके से गुजरने वाली एक सड़क का इस्तेमाल करने पर उस रोककर सड़क पर से आने-जाने से मना किया।

पठान ने दावा किया कि जिस सड़क का वह अक्सर इस्तेमाल करता था, वह रेलवे अंडरपास को बनाए जाने के कारण बंद थी। अधिकारी ने कहा कि पठान ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह सोमवार शाम अपनी बाइक पर सड़क से गुजर रहा था, तभी परमार ने पठान को उधर से जाने से रोका। इस लेकर उनके बीच बहस हो गई। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद झगड़ा बढ़ गया और दोनों समुदायों के सदस्यों ने एक-दूसरे पर पथराव शुरूकिया। इस घटना में एक शख्स घायल हो गया। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची।

गोधरा में पत्थरबाजी की घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर दो एफआईआर दर्ज की गई।

जिसमें दोनों समुदायों के पांच-पांच आरोपियों को नामजद किया है। उन्होंने बताया कि एक एफआईआर में परमार ने पठान और चार अन्य लोगों पर गैरकानूनी तरीके से जमा होने, गालियां देने और पिटाई करने का आरोप लगाया।

चक्रवात को लेकर अंबालाल पटेल की भविष्यवाणी, भयानक स्वसूर ले सकता है चक्रवात

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात चक्रवात का संकट मंडरा रहा है और इसे लेकर मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने बड़ी भविष्यवाणी की है। अंबालाल पटेल के मुताबिक चक्रवात भयानक स्वरूप ले सकता है। 7 से 9 जून के दौरान समुद्र रौद्र रूप धार कर सकता है। चक्रवात के असर समुद्र में उंची उंची लहरें उठेंगी। समुद्र में 60 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। दक्षिण गुजरात के हिस्सों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। गुजरात के अन्य हिस्सों में चक्रवात का असर दिखाई देगा। संभावित चक्रवात का असर राज्य में 15 जून तक रह सकता है। मध्य गुजरात और उत्तर गुजरात में तेज हवा चल सकती है। अंबालाल के मुताबिक चक्रवात के कारण मानसून में देरी होने की संभावना है। दूसरी ओर मौसम विभाग के मुताबिक भीषण गर्मी के बीच आगामी 9 से 10 जून को गुजरात में बारिश हो सकती है। इससे पहले आगामी 3 दिन तक राज्य में वातावरण सूखा रहेगा।